卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐जय माता दी卐
卐 सीताराम बाबा जी卐卐जय बाबा की卐卐श्याम बाबा卐卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यः शोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 25 ♦अंक 56 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦सोमवार ♦2 दिसम्बर 2024 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

मॉर्निंग वॉक पर निकले दो बुजुर्गों की हादसे में मौत

देहरादून(उद संवाददाता)। डोईवाला थाना क्षेत्र में जौली ग्रांट पुलिस चौकी इलाके में मार्निंग वॉक को निकले दो बुजुर्गों की सड़क हादसे में मौत हो गई ।दोनों के शवों को पुलिस ने पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह पुलिस को जानकारी मिली कि जौली ग्रांट पुलिस चौकी क्षेत्र में ऋषिकेश मुख्य मार्ग पर दो शव पड़े हुए हैं। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों की शिनाख्त के प्रयास शुरू किए। पुलिस को घटनास्थल पर एक हाथ का दस्ताना पड़ा मिला। इससे कुछ देरी पर एक बुजुर्ग का

शव पड़ा मिला। उससे तकरीबन 75 मीटर की दूर पर दूसरा शव पड़ा मिला। मौके पर सड़क पर वाहन के टायरों के घिसटने और वाहन के शीशे भी टुकड़े पड़े मिले। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि किसी अज्ञात वाहन ने दोनों को टक्कर मारी होगी। शवों की तलाशी लेने पर पुलिस को उनके पास से आधार कार्ड मिले। जिनके आधार पर उनकी शिनाख्त की गई। एक शव की शिनाख्त भानियावाला के अठूरवाला के कोटि गांव निवासी वीर सिंह बिष्ट और दूसरे की जोगियाणा निवासी 65 वर्षीय दलपति के रूप में हुई। अठूरवाला के कोटि गांव निवासी (शेष पृष्ठ सात पर)

मुख्यमंत्री ने एक्सप्रेस–वे के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

देहरादून (उद संवाददाता)।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस वे के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री धामी ने एक्सप्रेस वे के निर्माण में इस्तेमाल हो रही आधुनिक तकनीकों और पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान सीएम धामी ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में एशिया का सबसे बड़ा वाइल्डलाइफ कॉरिडोर बनाया गया है,

जो वन्यजीवों की सुरक्षा और उनकी आवाजाही को मुक्त और पूर्ण तरीके से सुरक्षित बनाएगा।मुख्यमंत्री धामी ने कहा दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेस वे, इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इस एक्सप्रेस वे का निर्माण (शेष पृष्ठ सात पर)

मैट्रोपोलिस मॉल में बखेड़ा, मैनेजर को उठा ले गये कार सवार दबंग

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। मैट्रोपोलिस मॉल में स्थित एक ड्राईक्लीनिंग के प्रतिष्ठान पर महंगे कोट की धुलाई को लेकर बखेड़ा हो गया। आरोप है कि कार सवार कुछ लोगों ने मैनेजर के साथ मारपीट की और मोबाइल लैपटॉप सहित मैनेजर को अगवा कर ले गये। जानकारी के अनुसार सोमवार दोपहर को मैट्रोपोलिस मॉल में स्थित ड्राईक्लीनिंग के प्रतिष्ठान में बखेड़ा हो गया। कार सवार कुछ लोग प्रतिष्ठान में आये और एक लाख की कीमत के कोट की ड्राईक्लीनिंग में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे।दुकान स्वामी सत्येन्द्र सिंह ने बताया कि शक्ति विहार निवासी तरूण सिंह ने सफेद रंग का एक कोर्ट ड्राईक्लीनिंग के लिए दिया था। आज उसे लेने तरूण सिंह अपने कुछ साथियों के साथ आया और कहने लगा कि सफेद कोट को पीला कर दिया है।इसी बात को लेकर उक्त लोग हंगामा करने लगे और मैनेजर के साथ मारपीट शुरू कर दी। उक्त लोग मैनेजर को अपने साथ ले गये साथ ही लैपटॉप,मोबाइल भी अपने साथ ले गये। मामले की सूचना पुलिस को दी गयी है।

हाईवे पर दो ट्रकों की भिड़ंत में एक चालक गंभीर

गदरपुर(उद संवाददाता) रविवार देर रात्रि एक ट्रक चालक के इमरजेंसी ब्रेक मारने पर पीछे से दूसरा ट्रक उसमें जा घुसा । टक्कर इतनी भयानक थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक उसमें बुरी तरह फंस गया। बमुश्किल घायल ड्राइवर को ट्रक से निकाला गया जबकि दूसरा ट्रक ड्राइवर मौके से अपना वाहन लेकर फरार हो गया मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। जानकारी के अनुसार रविवार रात्रि लगभग 12बजे तौफीक निवासी निसरा जिला पीलीभीत अपने ट्रक में बाजपुर क्रेशर से बजरी

लेकर पीलीभीत जा रहा था। महतोष मोड नवाबगंज के कट पर पहुंचा तो आगे चल रहे ट्रक ने अचानक ब्रेक मार दी जिससे पीछे चल रहे तौफीक के ट्रक की आगे चल रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि तौफीक अपने वाहन में ही फंसकर रह गया जबकि दूसरा ट्रक सवार मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आस पास के लोगों ने ट्रैक्टर में रस्सा बांधकर पिचकी हुई ट्रक की बॉडी को खींचकर ड्राइवर को निकालने की कोशिश की लेकिन वह संभव नहीं हो पाया। शोर शराबा होने पर अन्य वाहनों के ड्राइवर ने बमुश्किल ट्रक ड्राइवर तौफीक को वाहन से निकाला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल तौफीक को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया और यातायात व्यवस्था सुचारू कराया।

चेसिस की टक्कर से बाइक सवार घायल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। गत रात्रि दिनेशपुर मार्ग पर ग्राम बरखेड़ा में ड्यूटी से बाईक पर सवार होकर घर लौट रहे मजदूर को सामने से आते चेसिस चालक ने टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उसे उपचार के लिये जिला चिकित्सालय ले जाया गया। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। जानकारी के अनुसार ग्राम लंगड़ाभोज गदरपुर निवासी राहुल सिंह पुत्र श्यामलाल गत रात्रि एक कम्पनी में ड्यूटी समाप्त कर (शेष पृष्ठ सात पर)

ग्रामीण को अगवा करने की कोशिश,गोली मारी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।रविवार रात्रि दिनेशपुर क्षेत्र थाना क्षेत्र के ग्राम जयनगर में 72 वर्षीय सेवानिवृत्त कलेक्ट्रेट कर्मी राम प्रकाश सुमन को वाहन सवार कुछ बदमाशों ने अगवा करने की कोशिश की और नाकाम होने पर उन पर फायर झोंककर गंभीर रूप से घायल कर दिया धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। घायल वृद्ध को उपचार के लिए चिकित्सालय भर्ती कराया गया है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी ली। बताया जाता है कि ग्राम जयनगर निवासी कलेक्ट्रेट से सेवानिवृत कर्मी 72 वर्षीय राम प्रकाश खाना खाने के बाद घर के बाहर नल पर हाथ धोने गए थे। इसी दौरान

ऑल्टो कार में आए 2–3 अज्ञात बदमाशों ने उन पर बंदूक तान दी और उन्हें अगवा करने की कोशिश की। राम प्रकाश सुमन ने बंदूक हटाने की कोशिश की, जिससे बंदूक से गोली चल गई। गोली उनके मुंह को छूकर निकल गई, जिससे उनका चेहरा बुरी तरह जख्मी हो गया। गोली की आवाज सुनकर घर और आसपास के लोग बाहर आ गए। लोगों को देखकर बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने घायल राम प्रकाश को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायल राम प्रकाश ने बताया कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।घटना की सूचना पर पुलिस अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ(शेष पृष्ठ 7 पर)

नशे के खिलाफ एसएसपी कार्यालय में गरजे लोग

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की लेकर आज शिवनगर ट्रांजिट कैम्प से दर्जनों महिलाओं ने एसएसपी कार्यालय में जोरदार प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। रोषित महिलाओं का आरोप है कि ट्रांजिट कैम्प थाना पुलिस के संरक्षण में क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार लगातार फलता फूलता जा रहा है। जो भी व्यक्ति उसका विरोध करता है उससे मारपीट कर ऐसा न करने के लिए धमकाया जाता है। पुलिस भी ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उन्हें सिर्फ समझाती है। शिवनगर निवासी अशोक सागर ने दिए शिकायती पत्र में कहा है कि 30 नवम्बर को दोपहर उसे पता चला कि उसके भांजे

अरूण कुमार की पत्नी कमलेश व अन्य दो महिलाओ को ट्रांजिट कैम्प थाने में ले आये है। यह सुनकर ट्रांजिट कैम्प थाने जा रहा था कि पहले से ही रास्ते मे घात लगाकर बैठे नशे के कारोबारी युवकों ने उसको घेर लिया और उस पर ईट पत्थरों से जानलेवा हमला कर दिया। शोर की आबाज सुनकर लोग एकत्र हो गये। हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गये। इससे पूर्व भी कई लोगों पर हमला किया जा चुका है पर पुलिस शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई नहीं करती। प्रदर्शन करने वालों में मोहन कुमार, सरस्वती, पूजा, कमला, विमला देवी, सीमा, राजवती, ज्ञानवती, रामकली, सरोज, गीता गुप्ता, राहुल, राकेश सागर, रॉबिन, मुनेश, मुकेश, सतीश, राजकुमार, मलखान सिंह आदि लोग शामिल थे।

प्रोपर्टी डीलर हत्याकाण्ड का खुलासा,एक आरोपी गिरफ्तार

देहरादून(उद संवाददाता)। पुलिस ने पटेल नगर क्षेत्र में हुई प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का 24 घंटे के अंदर खुलासा कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

जबकि हत्या का मुख्य आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पैसों के लालच में अपने साथी के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। जानकारी के अनुसार शिमला बाईपास रोड स्थित यमुनौत्री एन्क्लेव में शनिवार तड़के प्रापर्टी डीलर की हत्या कर दी गई,हत्या के बाद आरोपी मौके से भाग खड़े हुए। मृतक प्रापर्टी डीलर विकासनगर में हुई कैश वैन से लाखों रुपए की लूट में शामिल(शेष पृष्ठ 7 पर)

जनसमस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता:डीएम

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। सम्पूर्ण जनपद में विकास कार्य बेहतर ढंग से करने के साथ कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक उपलब्ध कराने और जन समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करना प्राथमिकता रहेगी। यह बात जनपद के नव नियुक्त जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने जिला कार्यालय स्थित सभागार में पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी सभी समस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण हो इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भौतिक निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। श्री भदौरिया ने कहा कि जनपद में जो भी विकास योजनाएं चल रही हैं उनको निधर्रित समय में पूरा करने की दिशा में काम किया जाये इसके लिये अधिकारियो के साथ वार्ता कर रणनीति बनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि पर्यटन दृष्टि से महत्वपूर्ण पंतनगर एयरपोर्ट विस्तार का काम पूरा होने से क्षेत्र को भी काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष आयोजित होने वाले नेशनल गेम्स की तैयारी के साथ उधमसिंह नगर को अलग पहचान मिले इसका प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा अधिकारी जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरकर बेहतर कार्य करें इसके लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। कल मंगलवार को किच्छा में तहसील दिवस का आयोजन किया है। जिलाधिकारी भदौरिया में कहा भू कानून को लेकर प्रदेश सरकार के स्पष्ट दिशा निर्देश है। सरकारी भूमि पर कब्जा करने वालों के विरुद्ध प्रशासन सख्त से सख्त करवाई करेगा। नशे पर प्रभावी करवाई के लिए नशे के चंगुल में आए युवाओं को समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए पुलिस और प्रशासन संवेदनशील होकर काम करेगा। उन्होंने जाम की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि उनका यही प्रयास रहेगा कि जो भी व्यक्ति समस्या लेकर उनके पास आएगा उसका उचित समाधान किया जाए।

खेल महाकुंभ में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें खिलाड़ी : सीएम

मुख्यमंत्री ने डेफ ओलंपिक में स्कीइंग खिलाड़ी अमीषा चौहान को 50 लाख, एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली सोनिया को दो लाख और 22वें नेशनल फेडरेशन जूनियर में स्वर्ण पदक जीतने पर राहुल सरनालिया को एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का चेक सौंपे

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के पदक विजेता खिलाड़ियों को भी सीधी भर्ती के पदों पर अन्य खिलाड़ियों की तरह चार प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। साथ ही खेल महाकुंभ में जनपद स्तर पर प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को भी स्पोर्ट्स किट प्रदान की जाएगी। रविवार को युवा कल्याण निदेशालय में खेल महाकुंभ- 2024 की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने उक्त घोषणाएं की। उन्होंने इस अवसर पर डेफ ओलंपिक में स्कीइंग में प्रतिभाग करने वाली खिलाड़ी अमीषा चौहान को 50 लाख की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। एथलेटिक्स में 27वीं नेशनल फेडरेशन में स्वर्ण पदक जीतने वाली सोनिया को 02 लाख और 22वें नेशनल फेडरेशन जूनियर में राहुल सरनालिया को स्वर्ण पदक जीतने पर 01 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल महाकुंभ विशिष्ट आयोजन है। इसमें खिलाड़ियों को ग्राम पंचायत से लेकर ब्लॉक, जनपद होते हुए, राज्य स्तर तक प्रतिभा प्रदर्शित करने का मौका मिलता है। इससे राज्य में खेल संस्कृति विकसित करने में मदद मिल रही है। साथ ही खेल महाकुंभ युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ ही अनुशासन और टीम वर्क की भावना विकसित करने में भी योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष खेल महाकुंभ में सवा तीन लाख से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया था। इस बार का आयोजन इस रिकॉर्ड को तोड़ने का काम करेगा। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस बार के खेल महाकुंभ में विभिन्न स्तर के विजेता खिलाड़ियों को डीबीटी के माध्यम से 11 करोड़ से अधिक की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी। इसलिए खिलाड़ी आगे आकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का काम रही है। इसी क्रम में नई खेल नीति लागू करते हुए आम खिलाड़ियों के सामने आने वाली चुनौती का हर संभव समाधान किया गया है। राज्य सरकार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न सरकारी नौकरी दे रही है। मुख्यमंत्री खेल विकास निधि की स्थापना करते हुए, पूर्व में दी जाने वाली नकद राशि में वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज समय बदल गया है, अब अभिभावक से लेकर शिक्षक तक खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने का काम हर रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश सरकार पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना के तहत आठ वर्ष की आयु से ही चयनित खिलाड़ियों को 1500 और 14 से 23 वर्ष तक के खिलाड़ियों को दो हजार रुपए प्रति माह की छात्रवृत्ति के साथ उपकरण खरीदने के लिए प्रतिवर्ष दस हजार रुपए की धनराशि प्रदान कर रही है। साथ ही दिव्यांग खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को भी समान अधिकार दिए जा रहे हैं। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने नौकरियों में फिर से खेल कोटा बहाल कर दिया है। इस बार के बजट में युवा शक्ति को ध्यान में रखते हुए युवा कल्याण, खेल कूद, उच्च शिक्षा के लिए घ1700 करोड़ खर्च करने का प्रावधान रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए खेल अवस्थापना जुटाने के लिए सरकार नए खेल मैदान, स्टेडियम बनाने के साथ ही जिम और ट्रैक भी बनवा रही है। अब सरकार खेल विश्वविद्यालय बनाने का भी निर्णय ले चुकी है, शीध्र ही इसका शिलान्यास करते हुए कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को राष्ट्रीय और शीतकालीन खेलों की मेजबानी मिली है, इसके लिए आधारभूत सुविधाएं जुटाने का काम पूरा कर लिया गया है। राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखण्ड के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश सरकार पदक विजेताओं को उनकी पुरस्कार राशि के बराबर अतिरिक्त धनराशि प्रदान करेगी। इसलिए प्रदेश के खिलाड़ी मेहनत करते हुए राष्ट्रीय खेलों में अपना और अपने प्रदेश का नाम रोशन करने का काम करें। खेल मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने खेल और खिलाडियों के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नौकरियों में खेल आरक्षण से लेकर, खेल विश्वविद्यालय और गर्ल्स स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना के निर्णय लिए गए हैं। इस अवसर पर रायपुर विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ, विशेष प्रमुख सचिव श्री अमित सिन्हा, खेल निदेशक श्री प्रशांत आर्य उपस्थित रहे।

क्या अंग्रेजी दवाईयां आपका रोग ठीक करने में नाकाम हैं तो मिलें-
विजय आयुर्वेद क्लीनिक
पंचकर्म सेन्टर
निम्न रोगों के इलाज में 16 वर्षों का अनुभवः-
पार्किंसन्स, अल्जाइमर, मानसिक विकार, निःसन्तान स्त्री-पुरूष की सभी चिकित्सायें, ट्यूब ब्लॉक, सिस्ट, कीटाणु की कमी आदि। डिस्क प्रोलेप्स सर्वाइकल, गठिया, घुटने का दर्द, किडनी रोग (डायलिसिस से पहले)
लीवर सिरोसिस, हैपेटाइटिस B&C, Fatty Liver प्रोस्टेट रोग
असाध्य एवं लाइलाज रोगियों की चिकित्सा शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा की जाती है।
DR. VIJAY PRAKASH MISHRA M.D. (Ayurveda) Mob.: 9410897970
DR. ASHWINI MISHRA M.D. (Ayurveda) स्त्री एवं त्वचा रोग
मिलने का समय : प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक (शुक्रवार अवकाश)
होटल राजश्री के सामने, गली नं० 2, डॉक्टर्स कालोनी
डी 1 डी 2 सिविल लाईन, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखंड

जनपद स्तरीय खेल महाकुंभ का हुआ समापन

अल्मोड़ा(उद संवाददाता)। खेल महाकुम्भ-2024 के अन्तर्गत जनपद स्तरीय आयु वर्ग अन्डर-14 बालक वर्ग की कबड्डी, बालीवाल व खो-खो प्रतियोगिताओं का आयोजन खेल मैदान हवालबाग में किया गया। प्रतियोगिताओं के साथ ही खेल महाकुम्भ-2024 की जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं का समापन भी हुआ जिसमें अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में देवेन्द्र सिह बिष्ट पूर्व प्रधान हवालबाग, जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र बिष्ट एवं विक्रम नेगी आदि ने भी प्रतिभाग किया उक्त प्रतियोगिताओं में आयु वर्ग अन्डर14 बालक कबड्डी में भिकियासैंण प्रथम, स्याल्दे द्वितीय एवं ताड़ीखेत तृतीय स्थान पर रहे। खो-खो प्रतियोगिता में धौलादेवी प्रथम, द्वाराहाट द्वितीय एवं लमगड़ा की टीम तृतीय स्थान पर रही। उक्त प्रतियोगिताओं में प्रभारी जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी अल्मोड़ा सोनू कुमार,शिक्षा विभाग से धन सिंह द्यौनी, शिवदत्त जोशी, गोविन्द सिंह, पूनम बिष्ट, तुलसी बिष्ट, लता वर्मा, लता वर्मा, महेन्द्र सिंह भैसोड़ा, नवीन लाल वर्मा एवं कुन्दन सिंह कनवाल तथा युवा कल्याण एवं प्रारद विभाग से क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रारद अधिकारी अशोक कुमार, संदीप वर्मा, विभिन्न विकासखण्डों के पी0आर0डी0 स्वयंसेवक तथा चिकित्सा विभाग एवं खेल विभाग के अधिकारीकर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

विघ्नेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय ।
नागाननाय श्रुतियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय गणनाथ नमो नमस्ते ।।
हमारे यहां कुंडली बनाने व दिखवाने एंव वैदिक ब्राह्मणों द्वारा रूद्राभिषेक, दुर्गा सप्तशती पाठ महामृत्युंजय जप, ग्रह शांति, शतचंडी यज्ञ एवं समस्त यज्ञ जप इत्यादि समस्याओं का समाधान के लिये संपर्क करें :
आचार्य गोपाल शास्त्री जी : 7248133444

उत्तराखंड में जंगलों के विनाश से सिकुड़ रहे हाथी गलियारे

रामनगर। उत्तराखंड में सिकुड़ते हाथी गलियारे और बाधित हुए हुए उनके पलायन को लेकर पर्यावरणविद चिंति है। जलवायु परिवर्तन से हाथियों के लिए भोजन और पानी का संकट बढ़ रहा है। मानवीय जनसंख्या बढ़ने के कारण कॉरीडोर्स सालों में सिकुड़ गए जिससे हाथी इंसानी बस्तियों के करीब पहुंच गए है। उत्तर प्रदेश के तराई और उत्तराखंड के अलग अलग क्षेत्रों के हाथी रामनगर, कॉर्बेट और कोसी नदी पहुंचकर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 121 का हिस्सा पार करते हैं, जहां तीन हाथी कॉरीडोर- कोटा, चिलकिया-कोटा और दक्षिण पटलिदुन-चिलकिया स्थित हैं। शासन द्वारा आवंटित खत्तों का पुनर्वास और जंगलो के समीप किए गये अवैध कब्जों को हटाया नहीं जाता स्थिति जस की तस बनी रहेगी। खत्तों में रहने वाली आबादी पूर्ण रूप से जंगलो पर निर्भर रहती है और इनका जलोनी लकड़ी, घास और पशु चारे के लिए जंगलों में जानापढ़ता है जहाँ हर समय संघर्ष की सम्भावना बनी रहती है। दूसरा ऐसे राजस्व गाँव जो जंगल से सटे हुए हैं वहाँ खघसकर के गेहूं की फसल पकने के समय पलायन करने वाले हाथियों का रुखघ गाँव की तरफ हो जाता है और ये समय दोनों पक्षों के लिए काफी तनाव भरा रहता है जहाँ कभी कभी जान माल का भी नुकघ्सान हो जाता है। मानव- वन्य जीव संघर्ष को कम करने को हजारों योजनाएँ बनती तो हैं पर कागजों में ही सिमट कर रह जाती है, धरातल पर कम ही उतर पाती है। विभाग को चाहिए कि ऐसे खत्ते और गाँव जो जंगल से सटे हुए हैं उनसे कुछ दायरे पर जल स्रोतों को बढ़ाने, प्रचुर मात्रा में बांस और रोहनी के पेड़ हाथियों के भोजन के रूप में लगाये ताकि उनका रुख आबादी की तरफ कम हो ताकि हाथियों के प्राकृतिक आवास मेंसुधार हो और इनके साथ इंसानी टकराव कम हो। हाथी मनुष्य का बेहद करीबी प्राणी है और हमारा पर्यावरण मित्र भी हैं, लेकिन जंगलों की घटती संख्या की वजह से हाथियों पर संकट गहराने लगा है जंगलों के विनाश की वजह से हाथी इंसानों की बस्ती तक पहुँच रहें हैं जिसकी वजह से मानव और हाथियों में संघर्ष बढ़ रहा है।

त्रिस्तरीय पंचायतों में प्रशासकों पर छिड़ा संग्राम

सरकार के फैसले के खिलाफ ग्राम और ब्लॉक प्रतिनिधि नाराज, एक्ट में नहीं है प्रावधान

देहरादून(उद संवाददाता)। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायतों के कार्यकाल को बढ़ाए जाने से शुरू हुई बात अब सरकार के विरोध तक पहुंच गई है। जिला पंचायतों में निवर्तमान अध्यक्ष को प्रशासक की जिम्मेदारी सौंपने के निर्णय से राजनीतिक घमासान भी तेज हो चला है। भाजपा ने इस निर्णय को पंचायतीराज एक्ट में निहित प्रविधान और जनप्रतिनिधियों की भावनाओं के अनुरूप बताया है। वहीं कांग्रेस ने सरकार को घेरते हुए कहा कि इस निर्णय से लोकतंत्र पर भरोसा करने वालों की धारणा को आघात पहुंचा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो चली है। कहा जा रहा है कि जब जिला पंचायतों में निवर्तमान अध्यक्षों को ही प्रशासक की जिम्मेदारी दी जा सकती है तो प्रधानों व क्षेत्र पंचायत प्रमुखों के मामले में ऐसा क्यों नहीं। ऐसे एक नहीं अनेक विषय पंचायतों को लेकर उठाए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक के तौर पर नियुक्त करने का निर्णय लिया है। इसके बाद अब ग्राम पंचायत और ब्लॉक के प्रतिनिधियों ने भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सरकार पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। हरिद्वार को छोड़कर 12 जिलों में ग्राम पंचायतों का 27 नवंबर को कार्यकाल खत्म हो गया है। जबकि, क्षेत्र पंचायत का कार्यकाल 29 नवंबर को समाप्त हो चुका है। खास बात ये है कि ग्राम पंचायत स्तर पर सहायक विकास अधिकारी और क्षेत्र पंचायत में एसडीएम को प्रशासक के तौर पर जिम्मेदारी दी गई है। उत्तराखंड सरकार त्रिस्तरीय पंचायतों में समय पर चुनाव नहीं करवा पाई है। हालांकि चुनाव प्रक्रिया जल्द ही शुरू किए जाने की बात कही जाती रही है, लेकिन इस बीच राज्य सरकार के एक आदेश ने मामले में नया विवाद खड़ा कर दिया है। आरक्षण प्रक्रिया पूरी न होने के कारण पंचायत प्रतिनिधि कार्यकाल बढ़ाए जाने की मांग कर रहे थे, लेकिन पंचायत एक्ट में इसका कोई प्रावधान न होने के कारण सरकार ने इस पर विचार नहीं किया। इन्हीं परिस्थितियों के बीच शासन का एक आदेश विवाद की वजह बन गया। इसके तहत प्रदेश में जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासन के तौर पर नियुक्त किए जाने का निर्णय लिया गया। आदेश होते ही जहां एक तरफ जिला पंचायत अध्यक्ष तो खुश हो गए, लेकिन ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर के प्रतिनिधियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पंचायत प्रतिनिधि रहे अमरेंद्र बिष्ट ने बताया कि सरकार ने जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक बनाए जाने का जो निर्णय लिया है, वो स्वागत योग्य है, लेकिन ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर काम कर रहे जनप्रतिनिधियों के साथ सरकार ने दोहरा रवैया अपनाया है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से तमाम ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर के प्रतिनिधि नाराज हैं। जब जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक के तौर पर नियुक्त किए जा सकते हैं तो फिर ब्लॉक और ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ सरकार ने भेदभाव क्यों किया? क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों की नाराजगी सरकार के लिए राजनीतिक रूप से भी सही नहीं है। ऐसे में राज्य सरकार तमाम प्रतिनिधियों को किसी तरह मनाने की कोशिश में भी जुटी हुई है। बीजेपी इस स्थिति में सरकार की ओर से जल्द ही कोई सकारात्मक फैसला लिए जाने की बात कह रही है। पार्टी नेताओं की मानें तो बीजेपी सरकार बीच का रास्ता निकालेगी। ताकि, नियमों के अंतर्गत प्रतिनिधियों को भी न्याय मिल सके। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के अनुसार पंचायत प्रतिनिधि मांग कर रहे थे कि उन्हें प्रशासक बनाया जाए। पंचायतीराज एक्ट में जिला पंचायत अध्यक्षों के लिए इसका प्रविधान है और इसी के अनुरूप यह निर्णय लिया गया है। हम तो चाहते थे कि ब्लाक प्रमुख व ग्राम प्रधानों के मामले में भी ऐसा किया जाए, लेकिन एक्ट में इसका प्रविधान नहीं था। सरकार एक्ट से बाहर नहीं जा सकती थी। जहां तक कांग्रेस के आरोप की बात है तो एक्ट में ये प्रविधान कांग्रेस के कार्यकाल में हुए थे। कांग्रेस इस मामले में दोहरी नीति अपना रही है। प्रदेश कांग्रेस संगठन उपाध्यक्ष मथुरा दत्त जोशी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नई परंपरा डाल दी है। सरकार की नीयत में खोट है। पंचायत चुनाव के प्रति सरकार गंभीर नहीं है। निकाय चुनाव में भी सरकार असमंजस की स्थिति पैदा कर रही है और अब पंचायतों में भी ऐसा ही किया जा रहा है। लोकतंत्र पर विश्वास करने वालों की धारणा पर यह निर्णय आघात करने वाला है। सरकार को सोचना चाहिए कि वह कई जिला पंचायत अध्यक्षों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाती रही है और उन्हें निलंबित तक किया गया।

कांग्रेस ने जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त करने पर जताई आपत्ति

देहरादून। क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के कार्यकाल खत्म होने के बाद प्रशासक नियुक्त कर दिए गए हैं। खास बात ये है कि प्रदेश सरकार ने इस बार नई प्रथा लागू करते हुए जिला पंचायत अध्यक्षों को ही प्रशासक नियुक्त किया है। जिसे लेकर सियासत गरमा गई है। इसी कड़ी कांग्रेस ने जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त किए जाने की विधिक रूप से गलत कर दिया है। विकासनगर में पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता नवप्रभात ने भी इसे असंवैधानिक करार दिया है। नवप्रभात ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मनमाना रवैया अपनाया है। संवैधानिक रूप से किसी भी चुने गए प्रतिनिधि को प्रशासक नियुक्त किया जाना गलत है। क्योंकि, न तो निकाय और न ही पंचायत में कोई ऐसी व्यवस्था है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला पंचायत में आने वाले करोड़ों रुपए के बजट को ठिकाने लगाने के लिए इस परंपरा को शुरू किया जा रहा है। जिस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। वहीं, उन्होंने इस मामले को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के साथ ही अन्य लोगों को भी इस परंपरा का विरोध करने की मांग की है। उनका कहना है कि जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक के रूप में जो एक्सटेंशन प्रदान किया है, वो न ही संविधान की व्यवस्थाओं के अनुकूल है, न ही वो राज्य के पंचायती राज अधिनियम के अनुकूल है। ना ही हमारी परंपराओं के अनुकूल है। ऐसी स्थिति में जब पंचायती राज के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होती हो तो इस प्रकार से राजनीतिक व्यक्तियों को प्रशासक नियुक्त किया जाना पूरी तरह से लोकतांत्रिक संविधान की व्यवस्थाओं को खंडित करता है। उत्तराखंड शासन ने जिला पंचायत में प्रशासक के तौर पर एक दिसंबर से तैनात करने के आदेश जारी किए है । यह आदेश शनिवार शाम को सचिव चंद्रेश यादव के द्वारा जारी किया गया है । आदेश में लिखा है उत्तराखंड राज्य की समस्त गठित जिला पंचायत (जनपद हरिद्वार को छोड़कर) में कार्यकाल समाप्ति दिनांक 1/12/ 2024 के पश्चात कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 6 माह से अनाधिक अवधि के लिए अथवा नई जिला पंचायत के गठन होने तक अथवा अग्रिम आदेशों तक जो भी पहले हो प्रशासक के रूप में संबंधित जनपद के जिला पंचायत के निवर्तमान अध्यक्ष को नियुक्त करने हेतु संबंधित जनपद के जिलाधिकारी /जिला मजिस्ट्रेट को प्राधिकृत करते हैं शासन ने जहां क्षेत्र पंचायतो में एसडीएम तथा ग्राम पंचायतो एडीओ को प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया है तो वहीं जिला पंचायत अध्यक्षों को बड़ी राहत देते हुए जिला पचायत में प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया है वहीं शासन के इस आदेश से निवर्तमान ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों में आक्रोश देखने को मिल रहा है उन्होंने शासन की इस फेसले को भेदभाव पूर्ण बताया।

बेचारे हमारे ग्राम प्रधानों और ब्लॉक प्रमुखगणों ने क्या बिगाड़ा है?

देहरादून(उद संवाददाता)। पूर्व सीएम हरीश रावत ने जिला पंचायतों में कार्यकाल समाप्त होने के बाद निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल छह माह बढ़ाने के साथ उन्हें प्रशासकि नियुक्त करने के आदेश को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी, आपने पंचायती व्यवस्था, चाहे नगर पंचायत हो, चाहे ग्रामीण पंचायतें हों, जब चौपट ही करनी है तो फिर बेचारे हमारे ग्राम प्रधानों और ब्लॉक प्रमुखगणों ने क्या बिगाड़ा है? बल्कि आपके घर-घर मोदी में तो ग्राम प्रधानों को आपने जुटाया था, चाहे डरा-धमका करके ही जुटाया हो, तो आप वहां तो

सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों को आप प्रशासक बना रहे हैं और उनको भी प्रशासक बना दीजिए। आपका मकसद तो गांधी की और राजीव गांधी, दोनों की पंचायती राज व्यवस्था को चौपट करना है और जब चौपट कर ही रहे हैं तो फिर हमारे प्रधान भाइयों और प्रमुख भाइयों ने क्या बिगाड़ा है? कई दिनों से संघर्षरत हैं।

जगदीश
कलर लैब
टंडन फोटो स्टूडियो
पासपोर्ट फोटो तुरन्त प्राप्त करें
जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध है।
मोबाइल, चिप, डिजिटल कैमरा, पेन ड्राइव, सीडी आदि डिजिटल कार्य तुरन्त बनवायें।
काशीपुर बाईपास रोड,
गुरूनानक कन्या इण्टर कालेज के सामने गली में, रुद्रपुर
E-mail: jagdishcolourlab@gmail.com
Web: jagdishcolourlab.com
05944-246817

आवश्यकता है
सिडकुल स्थित फैक्ट्री के लिए अनुभवी अकाउंटेंट एवं अनुभवी इलेक्ट्रिकल डिप्लोमा/डिग्री होल्डर की। वेतन योग्यतानुसार
-सम्पर्क करें-
परफैक्ट सेल्स कार्पोरेशन
प्लाट नं.12, सेक्टर IIDC सिडकुल रूद्रपुर, मो. 9654467133

धरना प्रदर्शन की नौटंकी करना बंद करें विधायक: जोशी

खटीमा (उद संवाददाता)।भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रमेश चंद्र जोशी ने जारी बयान में कहा कि क्षेत्रीय विधायक द्वारा खटीमा मझोला मार्ग को लेकर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है उस रोड का निर्माण शीघ्र शुरू होने वाला है। लगभग 20 लाख रुपए की लागत से गड्ढे भरने का काम हो चुका है।2 करोड़ 59 लाख का प्रस्ताव रीजनल ऑफिस देहरादून से भारत सरकार को प्रेषित किया जा चुका है जिसकी इसी सप्ताह टेंडर प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों से शीघ्र ही 92 करोड़ की लागत से खटीमा मझोला सीसी रोड का निर्माण शुरू हो जाएगा जिसकी चौड़ाई 10 मीटर होगी उससे पूर्व रोड के डामरीकरण के लिए लगभग 3 करोड़ की धनराशि अवमुक्त कर निर्माण कार्य कराया जाएगा। बिजली पोल शिफ्टिंग चौड़ीकरण में आने वाले वृक्षों का कटान, बड़ी पुलियों का निर्माण एवं जल संस्थान की पाइपलाइन की शिफ्टिंग का कार्य ,रोड निर्माण के साथ-साथ संपन्न होगा। भाजपा के कार्यकर्ता खटीमा क्षेत्र के विकास के लिए लगातार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के संपर्क में है। खटीमा का कोई भी क्षेत्र विकास कार्यों से अछूता नहीं रहेगा। जोशी ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक अपना आचरण बदलें और धरने प्रदर्शन की नौटंकी करना बंद करें और विकास कार्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा किए जा रहे कार्यों का झूठा श्रेय लेने का प्रयास न करें। उन्होंने कहा कि विधायक के तीन वर्ष के कार्यकाल को देखकर जनता ऊब चुकी है। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख रंजीत सिंह नामधारी, क्षेत्र पंचायत सदस्य रविंद्र राणा, नगर अध्यक्ष जीवन धामी, नगर महामंत्री मनोज वाधवा, जिला महामंत्री सतीश गोयल, नौसर मण्डल अध्यक्ष सोमनाथ मौर्य ,भास्कर जोशी, कमल चौहान, राहुल सक्सेना, करण यादव आदि उपस्थित थे।

रेनू गंगवार ने जिला पंचायत में संभाला प्रशासक का कार्यभार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला पंचायत की निवर्तमान अध्यक्ष रेनू गंगवार ने सोमवार को जिला पंचायत में प्रशासक पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान तमाम लोगों ने उनका स्वागत करते हुए शुभकामाएं दी। इस अवसर पर रेनू गंगवार ने कहा कि पंचायत के विकास और पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य

करेंगी। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष ने औपचारिक हस्ताक्षर कर प्रशासनिक जिम्मेदारियां सौंप दीं। इस मौके पर जिलाधिकारी नितिन भदौरिया सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। अधिसूचना के तहत सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को सूचित किया गया है। कार्यभार ग्रहण की प्रक्रिया के बाद पंचायतीराज से जुड़े विकास कार्यों की समीक्षा का सिलसिला जल्द शुरू होगा।

फायरिंग मामले में भाजपा नेता के पुत्र पर केस दर्ज

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। विगत रात्रि अटरिया मार्ग पर हुई फायरिंग की घटना में एक पक्ष द्वारा भाजपा नेता के पुत्र सहित अन्य लोगों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। दर्ज रपट में सुरेश शर्मा पुत्र टीका राम शर्मा निवासी वार्ड 3 ट्रांजिट कैम्प ने कहा है कि 30 नवम्बर को रात्रि वह अपने घर पर मौजूद था और खाना खाने के बाद सोने जा रहा था। तभी करीब 9 बजे के लगभग कुछ लोगो द्वारा जोर जोर से आवाज लगाकर उसके घर के बाहर लगे लोहे के गेट को बजाते हुए खोलने को कहा। जिस पर उसकी पत्नी विद्या शर्मा दरवाजा खोलने के लिये गयी तो चार पाँच लड़के पत्नी को धक्का देकर अन्दर घुस गये । उसके लडके पवन शर्मा को आवाज लगाने लगे। आरोप है सभी लोग शराब के नशे मे थे और उनके हाथ मे अवैध तंमचा थे । जैसे ही पवन कमरे से बाहर आया उसके सामने ही पवन शर्मा पुत्र राधेश शर्मा निवासी जगतपुरा ने उसके पुत्र पवन की ओर निशाना लगाते हुए फायर किया। नीचे रखे सामान की वजह से पवन शर्मा का नियन्त्रण खराब हुआ जिससे गोली बेटे के पैर मे लग गयी। जिसका विरोध करने पर उन लोगो ने घर पर लगे सीसीटीवी कैमरो को तोड दिया और जाते जाते घर के आँगन मे हवा मे फायर करते हुऐ धमकी दी कि अगर कोई कार्यवाही कि तो परिणाम भुगतने को तैयार रहना। जिससे उसका परिवार डरा हुआ है। पूलिस ने तहरीर के आधार पर पवन शर्मा पुत्र राधेश शर्मा व उसके सहयोगी पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किच्छा में तहसील दिवस का आयोजन कल

किच्छा(उद संवाददाता)। सरकार द्वारा माह के प्रथम तथा तृतीय मंगलवार को लगाए जाने वाले तहसील दिवस का आयोजन यहां राजीव गांधी कम्युनिटी हॉल में तीन दिसंबर को आयोजित किया जाएगा जिसकी अध्यक्षता जनपद के नए जिलाधिकारी नितिन भदोरिया द्वारा की जाएगी। वर्ष के अंतिम माह में आयोजित किच्छा में तहसील दिवस में सभी विभागों के अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त जानकारी देते हुए नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी गुरमीत सिंह ने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम तथा तृतीय मंगलवार को आयोजित होने वाले तहसील दिवस में किच्छा में यह वर्ष का अंतिम माह का प्रथम तहसील दिवस है जिसकी प्रचार प्रसार व्यवस्था विभिन्न माध्यमों से की जा रही है तथा क्षेत्र के सभी लोगों से अपील की जाती है कि तहसील दिवस का लाभ उठाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में 3 दिसंबर को आयोजित होने वाले तहसील दिवस में अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे तथा निराकरण करवायें। उन्होंने बताया कि इस तहसील दिवस में सभी विभागों के अधिकारियों को उपस्थित रहने का निर्देश शासन स्तर पर जारी कर दिया गया है।

खलंगा के युद्ध में पूर्वजों की वीरता और अदम्य साहस से मिलती है देशभक्ति की प्रेरणा : धामी

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को सागरताल नालापानी, देहरादून में बलभद्र खलंगा विकास समिति द्वारा आयोजित 50वाँ खलंगा मेला में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने खलंगा मेला आयोजन समिति को 5 लाख दिए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 50वाँ खलंगा मेला स्मारिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में कहा कि खलंगा मेला पूर्वजों की वीरता और अदम्य साहस को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने महान सपूत सेनानायक कुंवर बलभद्र थापा और उनके वीर साथियों, वीरांगनाओं को भी नमन किया। उन्होंने कहा कि खलंगा की वीरभूमि में वर्ष 1814 के एंग्लो-गोरखा युद्ध में सेनानायक कुंवर बलभद्र थापा और उनके वीर सैनिकों ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस युद्ध में कुंवर बलभद्र थापा और उनके वीर सैनिकों ने ब्रिटिश सैनिकों की विशाल सेना का सामना करते हुए अपनी वीरता और रणनीतिक कौशल से ब्रिटिश सेना को खदेड़ दिया था। मुख्यमंत्री ने

कहा कि ये युद्ध हमारे वीर गोरखा योद्धाओं के अदम्य साहस और मातृभूमि के प्रति उनके असीम प्रेम का प्रतीक है, जो हमेशा हमें देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा। खलंगा की गाथा हमारे वीर पूर्वजों के अप्रतिम साहस एवं हमारी गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ये मेला हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को सहेजते हुए उसे अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का भी एक माध्यम है। हमारे देश की ऐतिहासिक धरोहरें हमारे गौरवमयी अतीत की पहचान होने के साथ हमारे संस्कृति रूपी वट वृक्ष की मजबूत जड़ें भी हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी संस्कृति को मजबूत करने का कार्य पूरे देश में किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विकास के साथ विरासत को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। खलंगा युद्ध स्मारक को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के संरक्षण में रखना, इसका बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गोरखा समाज के उत्थान के प्रति पूर्णत: प्रतिबद्ध है और उनके विकास व कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। निश्चित ही ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को इन गोरखा समाज की परंपराओं को संजोये रखने तथा अपने पूर्वजों की वीरता और बलिदान को याद रखने में सहायक सिद्ध होंगे।इस अवसर पर विधायक श्री उमेश शर्मा काऊ, बलभद्र खलंगा विकास समिति के अध्यक्ष कर्नल विक्रम सिंह थापा, श्री कुलदीप बुटोला, श्री विश्वास डाबर, श्री विजय बलूनी, श्री पदम सिंह, ब्रिगेडियर राम सिंह थापा और अन्य लोग मौजूद रहे।

दो दर्जन से अधिक महिलाओं को दिलाई कांग्रेस की सदस्यता

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मीना शर्मा ने कांग्रेस को विशेषकर महिला कांग्रेस को और अधिक मजबूत करने के लिए बस्ती बस्ती और घर-घर जाकर महिलाओं को कांग्रेस के साथ जोड़ने के काम को और तेज कर दिया है, उन्होंने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के निर्देशानुसार महिलाओं को कांग्रेस की डिजिटल सदस्यता दिलाने के लिए अपने अभियान को और तेज कर दिया है, इसी क्रम में श्रीमती शर्मा पिछले दो माह से रुद्रपुर

विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांव और बस्तियों के कोने-कोने में जाकर महिलाओं को कांग्रेस के साथ जोड़ने का काम कर रही हैं, इधर श्रीमती शर्मा शनिवार को भी कल्याणी व्यू और शिवनगर बस्ती में पहुंची, जहां उन्होंने दो दर्जन से भी अधिक महिलाओं को महिला कांग्रेस की डिजिटल सदस्यता ग्रहण कराई, यहां श्रीमती शर्मा ने महिलाओं को आश्वस्त किया कि महिला कांग्रेस में उनका पूरा सम्मान होगा, और उनके हर काम को और उनकी हर समस्या का समाधान करने में वह पूरी ईमानदारी से कार्य करेंगी,इस अवसर पर महिलाओं ने श्रीमती शर्मा का फूलमालाएं पहनाकर भव्य स्वागत भी किया स इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

भाजपा सरकार अपना रही दोहरा मापदण्ड:आदेश चौहान

जसपुर(उद संवाददाता)। विधायक आदेश चौहान ने पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रदेश की 12 जिला पंचायत में निवर्तमान जिलाध्यक्षों को जिला पंचायत का गठन होने तक प्रशासक नियुक्त किया है। ब्लॉक प्रमुख और ग्राम प्रधान को प्रशासक नियुक्त नहीं किया है। प्रदेश सरकार का यह दोहरा मापदंड है। प्रदेश में अधिकतर निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा के हैं। उन्हें सत्ता का सुख देने के लिए प्रशासक नियुक्त किया है। यदि सरकार की नियत साफ होती तो ब्लॉक प्रमुख और प्रधानों को भी क्षेत्र पंचायत व पंचायत में प्रशासक नियुक्त करती। सरकार को अपने निर्णय का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। प्रदेश की जनता आगामी चुनाव में सरकार को सबक सिखाएगी। वहां गजेंद्र चौहान, सर्वेश चौहान, राहुल गहलोत, मोइनुद्दीन, आफताब, हिमांशु नंबरदार आदि थे।

पैरामाउंट एजुकेशनल अकादमी में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी व विधायक अरोरा ने विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम मुहिम के तहत पौधारोपण किया

रूद्रपुर (उद संवाददाता) पैरामाउंट एजुकेशनल अकादमी स्कूल को हाई स्कूल की मान्यता मिलने पर विद्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी एवं विधायक शिव अरोड़ा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ पैरामाउंट सोसायटी अध्यक्ष आनंद सिंह धामी ने मुख्य अतिथि एवं विशेष आमंत्रित अतिथि का स्वागत करके किया। इस अवसर पर भगत सिंह कोश्यारी ने कार्यक्रम में विद्यालय में लगे लोकार्पण पटल का अनावरण भी किया। तथा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा वंदना, पहाड़ी, पंजाबी , असमी,राजस्थानी एवं बंगाली कार्यक्रमों के साथ-साथ देशभक्ति एवं नशा मुक्ति पर एक नाटक भी प्रदर्शित

किया गया। मुख्य अतिथि ने बच्चों के कार्यक्रम तथा विद्यालय की व्यवस्थाओं को देखकर विद्यालय स्टाफ की तारीफ करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य है और मुझे पूरा भरोसा है कि जिस तरह बच्चे अंग्रेजी में कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर रहे हैं भविष्य में यह जरूर मेरा नाम रोशन करेंगे।स्कूल को भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विधायक शिव अरोड़ा ने सभी को पैरामाउंट स्कूल के हाई स्कूल होने की बधाई दी तथा आनंद सिंह धामी को उनके जन्मदिन पर भी शुभकामनाएं दी। पैरामाउंट सोसायटी अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि के साथ सभी आगंतुक अतिथियों का आने के लिए आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय को भविष्य में और आगे ले जाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता को बनाते हुए न्यूनतम शिक्षण शुल्क पर शिक्षा प्रदान करने की बात कही। कार्यक्रम में उत्तम दत्ता जी, आईपीएस पंकज भट्ट, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, नगर आयुक्त एनसी दुर्गापाल, एसपी सिटी उत्तम सिंह नेगी, मुख्य शिक्षा अधिकारी मिश्रा, आनंद सिंह धामी, चंद्रा धामी, कमल जिंदल, गुंजन सुखिजा, सुरेश परिहार,निर्वतमान मेयर राम पाल, रविंद्र सिंह धामी, सुनीता धामी, वंदना धामी, भावना धामी, हुमा परवीन ,शालिनी रानी, नीता तिवारी आशुतोष पंत एलएम उप्रेती ,महेश नेगी ,विकास शर्मा, लक्ष्मीचंद्र पंत, खड़क सिंह कार्की, जनार्दन पांडे, रमेश चंद जोशी, बलदेव, के.बी पांडे आदि उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाओ अभियान से व्यापारियों में हड़कंप

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। नगर निगम प्रशासन द्वारा गत दिवस चलाए गए अतिक्रमण हटाओ अभियान से मार्ग के दोनों ओर अतिक्रमणकारी व्यापारियों में हड़कंप मच गया और वह सड़कों पर फैलाए अपना सामान समेटने लगे। अभियान के दौरान निगम अधिकारियों ने अनेक दुकानदारों का चालान कर जुर्माना वसूला वहीं एक जूस विक्रेता पर गंदगी करने पर जुर्माना लगाया। नगर आयुक्त विशाल मिश्रा के नेतृत्व में नगर निगम के कई अधिकारियों व कर्मचारियों ने वाहनों के साथ गत दिवस कालाढूंगी रोड से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया। टीम के पहुंचते ही अतिक्रमणकारी व्यापारियों में हड़कंप मच गया और वह सड़कों पर फैलाए गए अपने सामान को आनन फानन में समेटने लगे। निगम के कर्मचारियों ने कुछ सामान जब्त कर लिया। कालाढूंगी रोड से अभियान टीम ने पटेल चौक सहित मुख्य बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान अनेक स्थानों पर निगम अधिकारियों व कर्मचारियों की दुकानदारों से तीखी नोंक झोंक भी हुई। नगर आयुक्त विशाल मिश्रा ने सभी दुकानदारों को सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण बिल्कुल भी बर्दास्त नहीं किया जाएगा। आम जनता को बाजार में खरीददारी में कोई परेशानी न हो इसका व्यापारी प्राथमिकता से ध्यान रखें। अभियान के दौरान एक ट्रॉली सामान जब्त किया गया और 5 दुकानदारों का चालान किया गया। जिसमें 4 चालान अतिक्रमण और 1चालान गंदगी पर किया गया। कुल 4000का जुर्माना किया गया। टीम में नगर निगम टीम से नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, मुख्य सफाई निरीक्षक और नगर निगम के कर्मचारी शामिल थे।

नये डीएम ने ली अधिकारियों की बैठक

आपसी समन्वय के साथ काम करें अधिकारी: भदौरिया

रुद्रपुर(उद संवाददाता)।नवनियुक्त जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने देर शाम पन्तनगर गेस्ट हाउस में जनपद के वरिष्ठ अधिकारियों की औपचारिक बैठक ली। जनपद आगमन पर अपर जिलाधिकारी अशोक जोशी व पंकज उपाध्याय ने जिलाधिकारी का पुष्पगुच्छ देखर स्वागत किया। जनपद के अधिकारियों की बैठक लेते हुए निर्देश दिये कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ काम करेंगे तथा सभी विकास कार्यों में तीव्रता रखी जाए एवं जनपद को सभी विकासरत कार्यों में प्रथम स्थान पर बनायें रखें। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में पंजिकृत समस्याओं का त्वरित समाधान करें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करें व सड़कों की मरम्मत भी त्वरित गति से करें ताकि जनता को अनावश्यक समस्याओं का सामाना न करना पड़े। इस दौरान अपर जिला अधिकारी अशोक जोशी, पंकज उपाध्याय, एमएनए नरेश दुर्गापाल, मुख्य कोषाधिकारी डॉ पंकज शुक्ल, ओसी गौरव पाण्डे, डॉ अमृता शर्मा, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, कौशतुभ मिश्र, राकेश तिवारी, अधीक्षण अभियंता लोनिवि हरीश कुमार, नीरज अग्रवाल, जल निगम सुनील जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दिव्यांग खिलाड़ियों को किया सम्मानित

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। भारत विकास परिषद भगत सिंह शाखा द्वारा जिलाधिकारी कार्यालय में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें उत्तराखंड से राष्ट्रीय दिव्यांग युवा खेल हेतु सहभागिता कर रहे विद्यार्थियों, उनके कोच को जिलाधिकारी वंदना सिंह की उपस्थिति में ट्रेकसूट, योगा मैट, जूते व मोजे दे कर सम्मानित

कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने सभी खिलाड़ियों व उनके कोच को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान प्रतिभागी खिलाड़ी, अध्यापक एवं भारत विकास परिषद, भगत सिंह शाखा के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष समर्थ अग्रवाल,महिला उपाध्यक्षा सीमा बख्शी,दीपक बख्शी,वैशाली अग्रवाल, एकता अग्रवाल, उत्सव चौधरी आदि सदस्य उपस्थित रहे।

केएलए का वर्ल्ड फूड प्रोग्राम में चावल भेजने के लिए हुआ अनुबंध

केएलए ने लगाई सफलता की एक और छलांग

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। उत्तराखण्ड की प्रतिष्ठित चावल निर्यातक कंपनी केएलए इंडिया प्राईवेट लिमिटेड ने निर्यात के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को वर्ल्ड फूड प्रोग्राम में चावल निर्यात करने का अवसर मिला है, जिसके तहत जल्द ही कंपनी से चावल की पहली खेप संयुक्त राष्ट्र यूनाईटेड नेशन की एजेंसी डब्लू एफपी को अलजीरिया भेजी जाऐगी। जानकारी देते हुए केएलए के एमडी अरूण अग्रवाल ने बताया कि विश्व के कुछ देशों में युद्ध के हालातों के चलते वर्तमान में कई देशों में खाद्यान्न संकट खड़ा हो गया है। जिसके चलते इन देशों में करोड़ों लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके हैं। इन लोगों तक खाद्यान्न पहुंचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र यूनाईटेड नेशन की एजेंसी वर्ल्ड फूड प्रोग्राम लगातार काम कर रही है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के तहत खाद्यान्न निर्यात करने वाले देशों से खाद्यान्न मंगाकर जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाता है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम की चावल की खपत को पूरा करने के लिए भारत से कई कंपनियों ने इच्छा जाहिर की थी,जिसमें उत्तराखण्ड की चावल निर्यातक इकाई केएलए इंडिया पब्लिक लिमिटेड भी शामिल थी। केएलए के खाद्यान्न की गुणवत्ता का परखने के लिए कुछ समय पूर्व डब्लू एफपी के एक दल ने कंपनी का दौरा किया और चावल के उत्पादन की पूरी प्रक्रिया देखने के साथ ही सभी औपचारिकतायें पूरी की। जांच में केएलए का चावल अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरा है। औपचारिकतायें पूरी होने के बाद डब्लूएफपी ने चावल की सप्लाई के लिए केएलए के साथ अनुबंध किया है। अनुबंध होने के बाद अब केएलए की रूद्रपुर स्थित इकाई से जल्द ही करीब 600 टन चावल की पहली खेप अलजीरिया के लिए भेजी जाएगी। अरूण अग्रवाल ने बताया कि डब्लू एफपी के साथ केएलए का अनुबंध होना पूरे उत्तराखण्ड के लिए गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि पिछले साल देश केप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखण्ड का चावल अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाईडेन को भेंट किया था। जिसके बाद विदेशों में उत्तराखण्ड के चावल की डिमांड बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि आज वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के साथ केएलए का अनुबंध हुआ है और केएलए वर्तमान में करीब 55 देशों को चावल और फ्रोजन उत्पादों का निर्यात कर रहा हैं

संदिग्ध हालातों में युवती ने फांसी लगाकर दी जान

रामनगर।मोहल्ला भवानीगंज इलाके में एक युवती ने परिजनों की गैर मौजूदगी में घर में कमरे में लगे पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मृतका के परिजनों में जहां एक और कोहराम मचा हुआ है तो वहीं पुलिस भी मामले की जांच में जुट गई है घटना के संबंध में जानकारी देते हुए कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज नयाल ने बताया कि मोहल्ला भवानीगंज निवासी 21 वर्ष है कंचन नाम की युवती ने अज्ञात कारणों के चलते घर में पंखे से लटक कर फांसी लगा ली उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन उसे उपचार के लिए सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दिव्यांग युवती से गैंग रेप के दोनों आरोपी गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मुखानी थाना क्षेत्र में विगत रात्रि मानसिक रूप से दिव्यांग युवती के साथ बड़ी मंडी में गैंग रेप के मामले में पुलिस ने ई-रिक्शा चालक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गौरतलब हो कि 26 नवम्बर की रात्रि मुखानी थाना क्षेत्र में रहने वाली एक मानसिक दिव्यांग युवती को ई-रिक्शा चालक बहला फुसलाकर बड़ी मंडी ले गया था। जहां उसने अपने दोस्त के साथ उससे दुष्कर्म किया और बरेली रोड़ पर छोड़ दिया। जहां पूरी रात युवती सड़क पर ही पड़ी रही। जिसे एक व्यक्ति ने अपने घर शरण दी। इधर युवती के घर वापस न लौटने पर परिजनों ने मुखानी थाना प्रभारी को मामले से अवगत कराया। जिसके बाद पुलिस ने युवती की खोजबीन शुरू कर सीसीटीवी कैमरे देखे और आरोपियों को धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम पता पिकअप चालक लवलेश पुत्र छोटे बाबू सिंह निवासी ग्राम कठोगन तहसील व थाना खागा जिला फतेहपुर उत्तर प्रदेश हाल धान मिल बरेली रोड तथा टुकटुक चालक रवि साहू पुत्र सूरज प्रसाद साहू निवासी राजकीय इंटर कॉलेज के पास इंदिरा नगर थाना बनभूलपुरा बताया। सख्ती से पूछताछ में दोनों ने अपना अपराध भी कबूल किया। पुलिस दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। जहां कोर्ट ने दोनों को जेल भेज दिया।

एचआईवी संक्रमण को लेकर किया जागरूक

रूद्रपुर(उद संवाददाता)।विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य पर द हंस फाउंडेशन के सौजन्य से लोगों को एचआईवी के बारे में जागरूक करने के लिए ग्राम आनंदपुर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर लोगों को एचआई संक्रमण रोकने के लिए विस्तार से जानकारी दी गयी। बताया गया कि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध बनाने, एचआईवी संक्रमित नीडल या सिरिंज का साझा इस्तेमाल करने,एचआईवी संक्रमित महिला को प्रसव के दौरान एचआई सकंग्रमण फैल सकता है। साथ ही बताया कि एचआईवी प्रतिरक्षा प्रणाली को संक्रमित करता है, जिससे उसे लगातार क्षति पहुंचती है और अंततः वह संक्रमण से लड़ने में असमर्थ हो जाती है। यह वायरस स्वयं को प्रतिरक्षा प्रणाली की कोशिकाओं, जिन्हें सीडी4 लिम्फोसाइट कोशिकाएं कहते हैं, से जोड़ता है, जो शरीर को विभिन्न बैक्टीरिया, वायरस और अन्य कीटाणुओं से बचाती हैं। एक बार जुड़ जाने के बाद,यह सीडी 4 कोशिकाओं में प्रवेश करता है और इसका उपयोग करके अपनी हजारों प्रतियाँ बनाता है। ये प्रतियाँ फिर सीडी 4 कोशिकाओं को छोड़ देती हैं, और इस प्रक्रिया में उन्हें मार देती हैं। यह प्रक्रिया तब तक चलती रहती है जब तक कि सीडी4 कोशिकाओं की संख्या, जिसे सीडी4 काउंट भी कहा जाता है, इतनी कम नहीं हो जाती कि आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली काम करना बंद कर देती है। इस प्रक्रिया में 10 वर्ष तक का समय लग सकता है, इस दौरान आप स्वस्थ महसूस करेंगे और स्वस्थ दिखेंगे। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जे.जे. कुमार लैब टेक्नीशियन नेहा अधिकारी, फार्मेसी अनीषा इत्यादि लोग थे।

महिला समूह को बांटी मशरूम खाद

बाजपुर (उद संवाददाता)। बन्ना खेड़ा उद्यान सहायता केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मशरूम खाद का वितरण किया गया। भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष एवं मधुवन कलस्टर की अध्यक्ष उमा जोशी, जनजाति नेता महेन्द्र सिंह, राम सिंह एवं के एल सागर प्रभारी उद्यान सचल दल बन्ना खेड़ा के द्वारा मशरूम खाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर

सोमवती,आईआरपी रश्मि, सीमा,राधा,निशा, सोनी, पिंकी, सरोज, गोविंद सिंह एवं सूरज सैनी उद्यान सहायक बन्ना खेड़ा उपस्थित थे। लाभार्थी महिलाओं 24 टन मशरूम खाद 80 प्रतिशत राज्य सहायता पर वितरण किया गया। जिससे समूह की महिलाओं आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उमा जोशी ने बताया कि विगत वर्ष भी महिलाओं ने मशरूम उत्पादन से अच्छा लाभ प्राप्त किया जो महिलाओं को बहुत कम लागत पर एक अच्छी आय प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सपने को साकार करती हुई आज हर महिला आत्म निर्भर हो रही हैं

बुक्सा जनजाति के आराध्य राजा जगदेव सिंह की स्मृति में दो दिवसीय मेला 26 से

गदरपुर/गूलरभोज(उद संवाददाता)।श्रद्धेय राजा जगत देव सिंह बुक्सा जनजाति स्मारक ट्रस्ट के तत्वाधान में होने वाली तैयारियां जोरों पर है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री राकेश सिंह,पूर्व मंडी समिति उपाध्यक्ष लाखन सिंह एवं रूपपुर पूर्व ग्राम प्रधान कन्हाई सिंह ने प्रेस वार्ता कर मेले की रूपरेखा को साझा किया गया।राकेश सिंह ने बताया कि आराध्य श्रद्धेय राजा जगत देव बुक्सा जनजाति स्मारक ट्रस्ट के तत्वधान में मेले का आयोजन किया जाना है। यह मेला दल बाबा मंदिर जगत देव के स्मारक स्थल पर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया बक्सा जनजाति का चौथा ऐतिहासिक मेला होगा जिसमें बुक्सा जनजाति के हजारों लोग अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए इस भव्य आयोजन के साक्षी बनेंगे।इस मेले में बुक्सा जनजाति के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया मेले को आकर्षक रूप देने के लिए बक्सा जनजाति के परिधान बुक्सा जनजाति की संस्कृत तोलिया आकर्षण का केंद्र रहेगी। साथ ही बुक्सा जनजाति के व्यंजन के स्टॉल गुप्ता जनजाति के उपाध्यक्ष यंत्र बक्सर जनजाति की महिलाओं के स्वयं द्वारा निर्मित विभिन्न वस्तुओं की दुकान लगाई जाएंगी। मेले के आकर्षण के केंद्र में बड़े-बड़े झूले मनिहारी की दुकान व बुक्सा पकौड़ी की दुकान भी देखने को मिलेगी। ऐतिहासिक मेले में श्रद्धालुओं के लिए प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल भंडारे की व्यवस्था भी रहेगी। उन्होंने बताया कि मेले का आयोजन 26 एवं 27 दिसंबर को होगा। साथ ही इस वर्ष ऐतिहासिक मेले के आयोजन से पूर्व 24 दिसंबर एवं 25 दिसंबर को बुक्सा जनजाति के युवाओं द्वारा वॉलीबॉल टूर्नामेंट का भी आयोजन किया जाएगा इसमें विजेता और उपविजेता टीम को आकर्षक पुरस्कार भी दिए जाएंगे। उन्होंने कहा इस पूरे मेले में सबसे ज्यादा अधिक ध्यान नशा मुक्ति अभियान के तहत युवाओं एवं बक्सा जनजाति के परिवारों को जागरूकता के साथ नशे से दूर रहने के लिए नुक्कड़ नाटक के भी आयोजन किए जाएंगे। प्रेस वार्ता के दौरान लाखन सिंह, राकेश सिंह ,कन्हैया सिंह ,भूपेंद्र सिंह ,सोमल सिंह, हरद्वारी सिंह, श्याम सिंह, मनीष सिंह, कंचन सिंह, राजू सिंह, विक्रम सिंह, राम सिंह, बिशन सिंह, लक्ष्मण सिंह, धर्म सिंह सहित आदि लोगों उपस्थित रहे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

अर्थव्यवस्था की मजबूती

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के दावों के बीच चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में विकास दर 5.4 फीसद रहने के आंकड़े स्वाभाविक रूप से निराशाजनक हैं। हालांकि जुलाई-सितंबर की तिमाही में अक्सर विकास दर सुस्त देखी जाती है, मगर आर्थिक संगठनों और खुद सरकार ने इसके करीब सात फीसद के आसपास रहने का अनुमान लगाया था। अब कहा जा रहा है कि अगली छमाही में विकास दर अच्छी रहेगी। अक्तूबर-दिसंबर की तिमाही चूंकि त्योहारी मौसम की होती है, इसलिए इसमें वृद्धि देखी ही जाती है। मगर ताजा आंकड़े सकल घरेलू उत्पाद को लेकर चिंता पैदा करते हैं। दूसरी तिमाही में सबसे बुरी गत विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की रही। विनिर्माण क्षेत्र की विकास दर 2.2 फीसद दर्ज हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 14.3 फीसद थी। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष की समान अवधि की 13.6 फीसद से घट कर 7.7 पर पहुंच गई। इसी तरह आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में वृद्धि दर घट कर 3.1 फीसद रह गई, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.7 फीसद थी। कृषि जैसे कुछ क्षेत्रों में मामूली वृद्धि को छोड़ दें, तो ज्यादातर क्षेत्रों में विकास दर सुस्त ही दर्ज हुई है। इस सुस्ती के पीछे तर्क दिए जा रहे हैं कि रेपो दर ऊंची रहने और महंगाई पर काबू न पाए जा सकने की वजह से उपभोक्ता व्यय घटा है। इसके अलावा राजस्व घाटा कम करने के उद्देश्य से सरकारी व्यय भी कम कर दिया गया है। इसका असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ा है। मगर फिलहाल इन स्थितियों में सुधार की बहुत संभावना नजर नहीं आती। विनिर्माण क्षेत्र में विकास दर सुस्त रहने का अर्थ है कि बड़े पैमाने पर लोगों के सामने रोजगार का संकट बढ़ा है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराता है। रोजगार और लोगों की कमाई घटने का स्वाभाविक असर उपभोक्ता व्यय पर पड़ता है। लोग केवल जरूरी चीजों की खरीद करते हैं, विलासिता की और टिकाऊ कही जाने वाली वस्तुओं की खरीद कम होने लगती है। स्वाभाविक ही इससे उत्पादन घट जाता है। यह भी एक महत्त्वपूर्ण तथ्य है कि पिछले नौ-दस वर्षों में लोगों की मजदूरी और औसत वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लंबे समय से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि जब तक लोगों की क्रयशक्ति नहीं बढ़ेगी, तब तक आर्थिक विकास के सारे उपाय तदर्थ ही साबित होंगे। अर्थव्यवस्था में मजबूती के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ अन्य पहलुओं पर भी संतुलन साधने की जरूरत होती है। निर्यात के मामले में लगातार निराशाजनक तस्वीरें आती रही हैं। चीन आदि देशों के साथ हमारा व्यापार घाटा निरंतर बढ़ रहा है। इसी तरह बेशक जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी के आंकड़े दर्ज हो रहे हों, पर हकीकत में राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है। इस पर काबू पाने के लिए सरकारी व्यय में कटौती करनी पड़ रही है। जिस तरह विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी आ रही है, उससे जाहिर है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सिकुड़ रहा है।

देवभूमि को लैंड जिहाद से बचाये धामी सरकार

हिंदू महापंचायत में पहुंचे हिंदूवादी नेता टी राजा सिंह ने कहा: उत्तरकाशी में मस्जिद मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए

उत्तरकाशी । उत्तरकाशी में मस्जिद के खिलाफ रामलीला मैदान में आयोजित महापंचायत में बड़ी संख्या में हिंदूवादी नेता जुटे। हैदराबाद से पहुंचे विधायक टी राजा सिंह ने कहा कि वह यहां उत्तरकाशी और उत्तराखंड के लोगों को जगाने आए हैं कि लव व लैंड जिहाद से राज्य को बचाने के लिए एक हो जाएं। उन्होंने सीएम धामी को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के काम करने का तरीका अपनाने की नसीहत दी। रविवार को देवभूमि विचार मंच की ओर से आयोजित हिंदू महापंचायत में पहुंचे हैदराबाद की गोशामहल विधानसभा से विधायक टी राजा सिंह ने कहा कि भारत के इतिहास में प्राचीन तीर्थ स्थान कहीं है तो वह उत्तराखंड में है। इस देवभूमि को अपवित्र करने का काम किया जा रहा है। यह सिर्फ उत्तरकाशी का मुद्दा नहीं है। पूरे उत्तराखंड में जो लैंड, लव जिहाद हो रहा है। उसको बचाने के लिए सभी को एक होने की जरूरत है। भारत का हर हिंदू कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। कहा कि जब उत्तराखंड राज्य बना था। तब यहां दूसरे समुदाय के लोगों की आबादी सिर्फ एक प्रतिशत यानि कि एक लाख थी। आज ये आबादी 25 लाख हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने भी साथ होने का संदेश भेजा है। जब तक लैंड जिहाद करने वालों को खदेड़ नहीं देंगे, तब तक वह तन-मन-धन से साथ हैं। उन्होंने कहा कि सीएम पुष्कर सिंह धामी को एक बार उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ चाय पर चर्चा करने की आवश्यकता है कि योगी किस तरह से लैंड जिहाद और अवैध कब्जा करने वालों को सबक सिखाते हैं। उनकी तरह सीएम धामी को भी कुछ बुलडोजर खरीद कर लाने की जरूरत है। इससे पूर्व गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि उत्तरकाशी को धार्मिक नगर घोषित करेंगे। यहां न मीट की दुकान होगी और न अंडे की। उन्होंने कहा कि मस्जिद मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जा रही है। मस्जिद अवैध हुई तो तुड़वाई जाएगी। बजरंग दल के प्रदेश संगठन मंत्री अनुज वालिया ने कहा कि जब मैंने यहां प्रेसवार्ता कर मस्जिद को अवैध बताया तो एक कांग्रेसी ने पूछा था कि इसका कोई सबूत है। ऐसी जिहादी मानसिकता की कांग्रेस पार्टी पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी बलिदान और संघर्ष के लिए तैयार हूं। लेकिन किसी की भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेंगे। भावी पीढ़ी की सुरक्षा की चिंता हमें करनी होगी। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संयोजक अजय ने कहा कि एक समय में मुस्लिमों ने कश्मीर से हिंदुओं को भगाया, उनकी बहन व बेटियों के साथ दुष्कर्म किया। लेकिन आज वह समय बदल गया है कि कोई हमारी बहन की तरफ बुरी नजर डालेगा तो उसका हाथ खींच लिया जाएगा। महापंचायत को श्रीनगर से पहुंचे लखपत भंडारी, स्वामी सिद्धेश्वरानंद आदि ने संबोधित किया। उत्तराखंड मे महापंचायत के मद्देनजर शहर में जिला प्रशासन के साथ ही पुलिस बल भी सक्रिय रहा। इसके लिए यहां दो कंपनी पीएसी सहित एक एएसपी, चार सीओ सहित बड़ी संख्या में अतिरिक्त पुलिस बल को बुलाया गया था। रविवार सुबह से ही शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से लेकर मस्जिद मोहल्ले के आसपास पुलिस अधिकारी व जवान तैनात रहे। वहीं महापंचायत पर ड्रोन और वीडियोग्राफी कैमरों से नजर रखी गई। महापंचायत के लिए शहर में यातायात को भी डायवर्ट किया गया था। महापंचायत शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने पर पुलिस ने राहत की सांस ली।

सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम RAM SHARAN KUMAR CHAURASIYA (पुराना नाम) से बदलकर अब RAM SARAN CHAURASIYA (नया नाम) कर लिया है, अत: अब से भविष्य में मुझे RAM SARAN CHAURASIYA (नया नाम) पुत्र RAMNAGINA CHAURASIYA के नाम से जाना व पहचाना जाये।

वर्तमान पता- राम सरन चौरसिया पुत्र राम नगीना चौरसिया, तीन पानी डाम फुलसुंगा, उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड-263153

अमर बलिदानी श्री गुरु तेग बहादुर जी

रावण के अत्याचारों को समाप्त करने के लिए मर्यादा पुरुषोतम श्री राम ने अवतार धारण किया। कंस के अत्याचारों को नष्ट करने के लिए श्री कृष्ण का अवतार हुआ। इसी प्रकार औरंगजेब के जुल्म का खात्मा करने के लिए श्री गुरुतेग बहादुर जी का अवतार हुआ। औरंगजेब ने इस्लाम का अगुआ बनकर हिन्दुओं पर बहुत अत्याचार किये। गुरूजी ने तिलक और जनेऊ बचाने के लिए अपना बलिदान दिया। हिन्दुओं को औरंगजेब के जुल्म से बचाने के लिए अमरबलिदानी गुरूजी को भारतवासी हिन्द की चादर के नाम से सम्बोधित करते हैं। 1621 ई. में गुरु के महल, अमृतसर में छठे गुरु, गुरु हरिगोबिंद साहिब व माता नानकी जी के घर श्री गुरु तेग बहादुर जी का जन्म हुआ। उनकी की परवरिश की जिम्मेवारी बाबा बुड्ढा जी व भाई गुरदास जी जैसी दैवी रूहों की देख-रेख में हुई। बाबा बुड्ढा जी ने जहां बचपन से उनको नानक नूर से शरसार कर दिया था, वहीं आप प्रवीण को सैनिक गुणों व जंगी हुनरों में भी प्रवीण कर गुरु पिता जैसी शूरवीर शख्सीयत तैयार कर दी थी। भाई गुरदास जी ने आप को धर्मों के दार्शनिक पक्षों का गहरा ज्ञान कराते हुए ब्रज, संस्कृत, पंजाबी आदि भाषाओं से पूरी तरह अवगत करा दिया था। आप 1635 ई. में छठे पातशाह के साथ कीरतपुर साहिब आ बसे और गुरु पिता के ज्योति- जोत समाने के बाद आप ने अपनी माता नानकी जी व पत्नी गुजरी जी के साथ बाबा बकाला में निवास कर लिया। आठवें पातशाह गुरु हरिकिशन साहिब ने ज्योति-ज्योति समाने से पूर्व संगत को 'बाबा बकाले' का हुक्म दिया था। यहां ही भाई मक्खण शाह लुबाणा ने 22 मंजियों पर बैठे पाखंडियों का पाज उखाड़ कर 'गुरु लाधो रे' का नारा दिया। गुरु साहिब इन ढोगियों की कलह को देखते हुए कीरतपुर चले गए और वहां से पांच मील की दूरी पर माखोवाल के स्थान पर जगह खरीद कर अनंदपुर शहर बसा दिया। आप जी ने सिक्खी के प्रचार हित दूर-दूर तक यात्रायें की। इन यात्राओं से सिक्ख धर्म को बहुत बल मिला और सिक्ख धर्म की सिफत-सालाह देश के कोने ख़कोने तक फैल गई। मुगल शहंशाह औरंगजेब के अत्याचारों से सारा देश कराह उठा था। उसने हिन्दुओं पर अनुचित टैक्स ही नहीं लगाए हजारों मंदिरों को भूमिसात करके वहां मस्जिदें बनवाई। अनेक धार्मिक स्थानों को नष्ट कर दिया। हजारों हिन्दुओं को तलवार के जोर पर मुसलमान बनाया। हिन्दुओं का धर्म ही नहीं, उनका जीवन भी संकट में पड़ गया। पूरे देश में पंजाब, और कश्मीर की हालत बहुत ही दयनीय हो गई थी। वहां मुसलमान जिस सुन्दर स्त्री को देखते जबरदस्ती उठा ले जाते।

हिन्दुओं के धर्म स्थानों को अपवित्र कर देते। सरेआम गौ हत्या करते और जो भी विरोध करता उसे मौत के घाट उतार देते। औरंगजेब की हिन्दू विरोधी नीति से सारे देश में हाहाकार मच गया था। गुरु तेगबहादुर के पास पंजाब में हिन्दुओं और सिक्खों पर होने वाले अत्याचारों की सूचनाएं पहुंच रही थी। उन्हें पंजाब छोड़े कई वर्ष बीत चुके थे। उन्होंने पंजाब आने का निर्णय लिया। अपने परिवार को पटना में ही छोड़कर वह पंजाब के लिए रवाना हो गए। उनके साथ सवाई राजा रामसिंह भी थे, इसलिए औरंगजेब के मुस्लिम अधिकारियों ने गुरु तेगबहादुर के पंजाब आने में कोई बाधा नहीं डाली। और उन्हीं के कारण जब गुरु तेगबहादुर आनंदपुर पहुंच गए तो उनके परिवार के वे लोग भी शांत होकर बैठ गए जो आरम्भ से ही उनका विरोध करते रहे थे। गुरु तेगबहादुर फिर पहले की तरह दीवान सजाने लगे। दूर-दूर के सिक्ख संगते उनके धर्मोपदेश सुनने के लिए आने लगी। आनन्दपुर का वातावरण एकदम शान्त था। कहीं कोई खतरा दिखाई नहीं दे रहा था। उन्होंने अपने कुछ विश्वस्त सेवादारों को भेजकर अपने परिवार को दिल्ली बुला लिया। अचानक एक दिन कुछ कश्मीरी ब्राह्मण उनके पास पहुंचे। उन्होंने उन लोगों का सम्मानपूर्ण स्वागत किया और आने का कारण पूछा। " गुरूजी हम लोग कश्मीर से आ रहे है। हम लोग ही नहीं कश्मीर में रहने वाले सभी हिन्दुओं की धन-संपत्ति,मान-सम्मान, जीवन और धर्म खतरे में पड़ गया है। अब तो केवल आपका ही आसरा है। आप ही हमारे दु:खों का निवारण कर सकते हैं।" पंडितों ने हाथ जोड़कर कहा। " ऐसा क्यों है?" "गुरूजी आप तो औरंगजेब और उसकी हिन्दू विरोधी अत्याचारी नीतियों को अच्छी तरह जानते हैं। उसने कश्मीर के सूबेदार शेर अफगन को हुक्मनामा भेजा है कि कश्मीर में रहने वाले सभी हिन्दुओं को जबरदस्ती मुसलमान बना लिया जाए। जो मुसलमान बनने से इंकार करे या शाही हुक्म की मुखाफलत करें, उसे तत्काल मौत के घाट उतार दिया जाए। उसके इस हुक्मनामे ने कश्मीर के हिन्दुओं का जीना हराम कर दिया है। सिक्ख गुरुओं ने हिन्दू धर्म की हमेशा रक्षा की है। हम इसी आशा और विश्वास के साथ आपसे प्रार्थना कर रहे हैं कि हमें इस सर्वनाश से बचाइए। " कश्मीरी पंडितों के मुँह से यह सुनकर गुरु तेगबहादुर गहरी सोच में डूब गए। औरंगजेब देश का शासक था। एक शासक का धार्मिक पक्षपात और तलवार के जोर से दूसरों के धर्म को छीनने और अपने धर्म में शामिल करने की नीति उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं थी। गुरु नानक देव से लेकर जितने भी गुरु हुए थे उन्होंने धार्मिक भेदभाव को कभी महत्व नहीं दिया था। उनकी नजर में सभी धर्म एक समान थे। गुरु तेगबहादुर देश की स्थिति से भली-भांति परिचित थे। उन्होंने कश्मीरी पंडितों को दिलासा दिया और कहा, आप लोग निशिचन्त होकर अपने-अपने घर जाइए। जब सूबेदार शेर अफगन आप पर मुसलमान बनने के लिए जोर डाले तो आप उससे निर्भीक होकर कह दीजियेगा कि अगर गुरु तेगबहादुर मुसलमान बनना स्वीकार कर लें तो हम लोग भी इस्लाम धर्म स्वीकार कर लेंगे। कश्मीरी पंडितों को गुरु तेगबहादुर पर पूर्ण विश्वास था कि इस अचानक संकट से वे ही उन्हें मुक्ति दिला सकते हैं। गुरु तेगबहादुर के आश्वासन ने उनमें एक नया साहस पैदा कर दिया। वे निशिचन्त होकर अपने-अपने घर चले गए।' जो शरण आये जिस कंठ लाये ' के वाक्य को सच करते हुए गुरु साहिब 1675ई. को दिल्ली में अपने तीन सिक्ख- भाई मती दास, भाई सती दास व भाई दयाला जी के साथ शहादत का जाम पी गए और हिन्दू धर्म की रक्षा करने के कारण आप 'हिन्द की चादर' कहलवाए। ऐसे महान गुरु जी को मेरा शत-शत नमन है।

प्रस्तुति-नरेश कुमार सेठ,रूद्रपुर

जो अपनी प्लेट में हत्या लाता है, वह अपने जीवन में शांति नहीं ला सकता

महिला सशक्तिकरण, मांसाहार का त्याग और जलवायु परिवर्तन के लिए अग्रदूत बने आचार्य प्रशांत

प्रशांत अद्वैत फाउंडेशन के संस्थापक, आचार्य प्रशांत न केवल आध्यात्मिक और सामाजिक सुधारक हैं, बल्कि वे समाज के कई महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे महिला सशक्तिकरण, मांसाहार का त्याग, और जलवायु परिवर्तन के लिए भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उनका दृष्टिकोण आधुनिक और वैज्ञानिक है, जो तर्क, विवेक और करुणा पर आधारित है। उनके प्रयास समाज में स्थायी बदलाव लाने और एक बेहतर भविष्य की दिशा में हैं। आचार्य प्रशांत का मानना है कि किसी भी समाज की प्रगति का आधार महिलाओं का सशक्त होना है। वे यह समझाते हैं कि भारत जैसे देश, जहाँ परंपराएँ और कुरीतियाँ महिलाओं के अधिकारों को सीमित करती रही हैं, वहाँ जागरूकता और शिक्षित दृष्टिकोण की आवश्यकता है।आचार्य प्रशांत ने अपने व्याख्यानों और चर्चाओं में बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि महिलाओं को समान अधिकार मिलना चाहिए। वे यह कहते हैं कि धर्म और समाज ने सदियों से महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा है, और यह स्थिति तभी बदलेगी जब महिलाएँ अपनी क्षमता को पहचानेंगी और समाज भी उन्हें बराबरी का स्थान देगा। आचार्य प्रशांत महिलाओं को को समान अधिकारों की वकालत भी करते हैं उनके शब्दों में, यदि आप एक समाज को सशक्त बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले उसकी महिलाओं को सशक्त करें।आचार्य प्रशांत ने उन धार्मिक और सामाजिक प्रथाओं की खुलकर आलोचना की है, जो महिलाओं को दमन का शिकार बनाती हैं। वे इसे अधर्म मानते हैं और कहते हैं कि धर्म का असली उद्देश्य हर इंसान को स्वतंत्र और सशक्त बनाना है। आचार्य प्रशांत के कार्यक्रमों में महिलाओं की भागीदारी अत्यधिक है। वे महिलाओं को यह सिखाते हैं कि आत्मनिर्भरता और आत्म-जागरूकता के माध्यम से वे अपने जीवन की हर चुनौती का सामना कर सकती हैं। उनकी शिक्षाएँ महिलाओं को मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती हैं। आचार्य प्रशांत का जीवन करुणा और अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित है। वे मांसाहार और डेयरी उत्पादों का कड़ा विरोध करते हैं और मानते हैं कि यह न केवल निर्दोष प्राणियों के प्रति क्रूरता है, बल्कि मानव और पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। मांसाहार के खिलाफ उनके अभियान का आधार यह है कि जब तक मनुष्य निर्दोष प्राणियों को मारकर अपना भोजन बनाएगा, तब तक दुनिया में शांति और करुणा का प्रसार संभव नहीं है। उनका कहना है कि ष्जो अपनी प्लेट में हत्या लाता है, वह अपने जीवन में शांति नहीं ला सकता।ष आचार्य प्रशांत का मानना है कि मांसाहार से न केवल लाखों पशुओं की हत्या होती है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी विनाशकारी है। आचार्य प्रशांत केवल मांसाहार का विरोध ही नहीं करते, बल्कि वेगन जीवनशैली को अपनाने का भी आग्रह करते हैं। उनके अनुसार, वीगन जीवनशैली न केवल

पशु क्रूरता को समाप्त करती है, बल्कि यह एक पर्यावरण-अनुकूल और नैतिक जीवन जीने का तरीका है। वे यह स्पष्ट करते हैं कि डेयरी उद्योग भी पशु क्रूरता का एक बड़ा कारण है, और इसलिए दूध, पनीर, और अन्य डेयरी उत्पादों का बहिष्कार करना आवश्यक है। उन्होंने इस विषय पर कई व्याख्यान दिए हैं और इसे अपने श्रोताओं के बीच जागरूकता का हिस्सा बनाया है। आचार्य प्रशांत ने यह भी बताया है कि वीगन जीवनशैली न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी सहायक है। पशुपालन उद्योग, जो मांस और डेयरी उत्पादों की आपूर्ति करता है, ग्रीनहाउस गैसों का एक बड़ा स्रोत है। जलवायु परिवर्तन 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है, और आचार्य प्रशांत इसे अपने मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। उनका मानना है कि यह समस्या केवल वैज्ञानिक या राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह नैतिकता और मानवता की भी समस्या है। आचार्य प्रशांत पर्यावरण संरक्षण के लिए करुणा और जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। वे कहते हैं कि ष्जब तक मनुष्य पर्यावरण के प्रति अपना दृष्टिकोण नहीं बदलेगा, तब तक पृथ्वी को बचाना असंभव होगा।ष उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि जलवायु परिवर्तन का सामना केवल तकनीकी समाधान से नहीं किया जा सकता; इसके लिए एक गहरे आंतरिक परिवर्तन की आवश्यकता है। आचार्य प्रशांत का मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। उनके विचार में, छोटी-छोटी आदतें, जैसे ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग, और स्थायी खाद्य पदार्थों का चयन, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम कर सकती हैं। वे अक्सर अपने व्याख्यानों में यह बताते हैं कि पशुपालन उद्योग ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन, जल संकट, और वनों की कटाई का एक प्रमुख कारण है। उन्होंने श्रोताओं को यह समझाया है कि वीगन जीवनशैली अपनाने से न केवल पशुओं को बचाया जा सकता है, बल्कि पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव डाला जा सकता है। आचार्य प्रशांत का काम विशेष रूप से युवाओं को प्रेरित करता है। उनके व्याख्यान और चर्चाएँ तर्कसंगत सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती हैं। वे कहते हैं कि ष्युवा ही परिवर्तन के वाहक हैं। यदि वे सही दिशा में कदम उठाएँगे, तो समाज और पर्यावरण दोनों को बचाया जा सकता है। आचार्य प्रशांत अपने श्रोताओं को यह सिखाते हैं कि शिक्षा और संवाद के माध्यम से हर समस्या का समाधान संभव है। वे लोगों को यह समझाने की कोशिश करते हैं कि अंधविश्वास, कुरीतियाँ, और सामाजिक अन्याय से लड़ने का सबसे प्रभावी तरीका ज्ञान और जागरूकता है। इस फाउंडेशन ने हजारों लोगों के जीवन में बदलाव लाया है और समाज में करुणा और नैतिकता की भावना को बढ़ावा दिया है।आचार्य प्रशांत: अंधविश्वास और कुरीतियों के खिलाफ एक दृढ़ आवाज बन चुके हैं , प्रशांत अद्वैत फाउंडेशन के संस्थापक, आधुनिक भारत में अंधविश्वास, कुरीतियों, भ्रम और पशु बलि जैसे मुद्दों के खिलाफ आवाज उठाने वाले एक प्रखर और प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। उनकी शिक्षाएँ न केवल प्राचीन भारतीय दर्शन पर आधारित हैं, बल्कि वे आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तर्कसंगत सोच को भी प्रोत्साहित करती हैं। भारत, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के लिए जाना जाता है, अंधविश्वास और कुरीतियों से भी जूझता रहा है। जन्म-कुंडली, तांत्रिक साधनाएँ, और ज्योतिष जैसे विषयों पर बिना वैज्ञानिक आधार के विश्वास करना यहाँ आम बात है। आचार्य प्रशांत इन सभी कुरीतियों के खिलाफ न केवल मुखर रहे हैं, बल्कि उन्होंने इनकी जड़ें समझने और उन्मूलन के लिए समाज को शिक्षित करने का एक आंदोलन खड़ा किया है। आचार्य प्रशांत कहते हैं, ष्अंध विश्वास व्यक्ति की स्वतंत्रता को छीन लेता है। यह व्यक्ति को भ्रम में डालकर उसे कमजोर बनाता है। उनका मानना है कि मनुष्य को अपने जीवन में तर्क और विवेक का उपयोग करना चाहिए और किसी भी विचार को बिना परखे स्वीकार नहीं करना चाहिए।

भयू गुलेर मोटर मार्ग के निर्माण कार्य का विधायक गड़िया ने किया शुभारंभ

कपकोट(उद संवाददाता)। कपकोट विधानसभा क्षेत्र केविकास के लिए लगातार विकास कार्य जारी है।कपकोट तहसील के खर्ककानातोली में अब पीएमजीएसवाई के तहत छह करोड़,61 लाख,62 हजार की लागत से भयू-गुलेर मोटर मार्ग की हालत सुधरेगी। मार्ग में सुधारीकरण के साथ पक्की नालिया और डामरीकरण भी होगा। क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया ने इसके लिए भूमिपूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। शनिवार को खर्ककानातोली में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि 'सशक्त कपकोट, समृद्ध कपकोट के लक्ष्य को प्राप्त करने के साथ जनकल्याण एवं विकास के अभूतपूर्व कार्यों को पूरा करने के लिए भाजपा सरकार कृत संकल्पित है। हर गावं को सड़क से जोड़ने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत हैं।जल्द क्षेत्र में सभी ग्रामीण क्षेत्रों को मोटर मार्ग से जोड़ा जाएगा। जहां सड़क कटान हुआ है वहां डामरीकरण का कार्य किया जाएगा। इसके लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख

गोविंद दानू, पूर्व प्रमुख मनोहर राम, हरीश कोरंगा, कवींद्र गड़िया, सुरेश कांडपाल,गणेश सुरकाली पीएमजी एसवाई के अधिशासी अभियंता अंबरीश सिंह रावत, दिनेश राठौर आदि मौजूद रहे। यहां सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर क्षेत्र के लोगों ने विधायक का भव्य स्वागत किया। विधायक ने बुजुर्गों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित भी किया।कहा कि लगातार विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है।सभी विभागीय अधिकारियों को समयबद्धता के साथ जनसमस्याओं के निराकरण के आदेश दिए गए है।

द पॉली किड्स ने धूमधाम से मनाया वार्षिकोत्सव

देहरादून(उद संवाददाता)। द पॉली किड्स डालनवाला, राजपुर रोड, सालावाला, जीएमएस रोड, प्रेम नगर शाखाओं ने अपना वार्षिक समारोह 'द ग्लोबल विलेज' संयुक्त रूप से मनाया। हाथीबड़कला स्थित सर्वे ऑफ इंडिया ऑडिटोरियम में चार अलग-अलग पालियों में आयोजित समारोह में लगभग 1200 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रमों में लगभग 3000 मेहमानों और अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई। जहां मेहमानों ने 7000 से अधिक भाषाओं और 195 देशों के धागों से बुनी गई परंपराओं, रीति-रिवाजों और मूल्यों के विभिन्न जीवंत रंगों को देखा। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण देव आराधना, टर्किश डिलाइट, जापानी चेरी ब्लॉसम, कलर्स ऑफ ब्राजील, नेपाली थाली डांस, यूएसए थ्रिल्स, अफ्रीकन बीट्स, स्पैनिश वाइब्स, वेव्स ऑफ हवाईयन, अरेबिक बीट्स, एकता में अनेकता और द ग्लोबल विलेज रहे। महाभारत महाकाव्य पर आधारित नाटक की अद्भुत प्रस्तुतियों को देखकर अभिभावकों ने जमकर तालियां बजाई और खड़े होकर सराहना की। द पॉली किड्स के चेयरमैन कैप्टन मुकुल महेंद्रू और निदेशक - श्रीमती रंजना महेंद्रू ने मुख्य अतिथि श्री उमेश शर्मा (काऊ) (विधायक) और विशिष्ट अतिथि -

श्रीमती आशा भाटी (जीएमएस रोड पार्षद) को सम्मानित किया। वार्षिक समारोह में निदेशक श्रीमती नंदिना सिंह, श्री विनोद भट्ट, चंदोला, ऋषभ डोभाल, श्रीमती कोमल तिवारी, आलोक छेत्री और श्रीमती वंदना छेत्री, तरूण ठाकुर, उदय गुजराल, आशीष कुमार, श्रीमती और बिश्नोई, श्रीमती शिप्रा आनंद, श्रीमती गीतिका चाल्गा, श्रीमती शालिनी नेगी और सिस्टम को-ऑर्डिनेटर श्रीमती दिव्या जैन, आयोजन को-ऑर्डिनेटर-श्रीमती दीप्ति सेठी, प्रधानाध्यापिकाएँ- श्रीमती पूनम निगम, श्रीमती मीनाक्षी धवन, श्रीमती नेहा सहगल, श्रीमती रजनी कौर, श्रीमती शिवानी माजारी, श्रीमती गीतांजलि आहूजा, श्रीमती हरजीत सकलानी, श्रीमती दिव्या अग्रवाल, श्रीमती संगीता मल्होत्रा, श्रीमती कंचन अरोड़ा, श्रीमती संगीता थापा, श्रीमती अलका, श्रीमती ईशा सहगल, श्रीमती मीतू कुकरेजा, श्रीमती सीमा कैंतुरा, श्रीमती हिमांशी अरोड़ा और द पॉली किड्स के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

पेज एक का शेष...

प्रोपर्टी डलर हत्याकांड का ..था। शनिवार सुबह पटेल नगर कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि यमुनोत्री एन्क्लेव कालौनी में एक व्यक्ति की लाश पड़ी हुई है, इस सूचना पर वरिष्ठ उप निरीक्षक मनमोहन सिंह नेगी, चौकी प्रभारी आइ एस बी टी देवेश खुगशाल मौके पर पहुंचे, पुलिस को घर के बाहर एक महिन्द्रा एक्सयूवी 300 कार दिखाई दी, इस कार के पीछे प्रदेश अध्यक्ष हिंदू सेना लिखा हुआ था, कार की तलाशी ली तो पुलिस को प्रापर्टी के कुछ कागजात मिले, कागजातों के आधार पर मृतक की शिनाख्त मंजेश कुमार निवासी ग्राम माजरा घेर गई गौशाला खेड़ी शिकोहपुर थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार के तौर पर हुई, पुछताछ में मालूम हुआ कि मकान प्रदीप कुमार बीडीयाल का है,जो कि सचिन निवासी भगवानपुर हरिद्वार ने दीपावली से पहले ही किराए पर लिया था पुलिस को मृतक के भाई सचिन कुमार निवासी रेसकोर्स ने बताया कि राजेश शुक्रवार की देर शाम को यह कहकर घर से निकला था कि वह अपने दोस्त सचिन और अर्जुन के घर जा रहा है। मामले में पटेल नगर कोतवाली पुलिस ने सचिन और अर्जुन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया और दोनों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी । पुलिस ने जब मृतक मंजेश का आपराधिक इतिहास खंगाला तो तो मालूम हुआ कि उसके खिलाफ विकास नगर कोतवाली में डकैती का मुकदमा दर्ज है, मंजेश ने साल 2016 में अपने साथियों के साथ मिलकर बैंक की कैश वैन से 18 लाख की डकैती की वारदात को अंजाम दिया था, इस मामले में मंजेश जेल गया था, और सचिन और अर्जुन फरार चल रहे थे। जिस कमरे में मंजेश की हत्या की गई पुलिस को उसमें शराब के गिलास और बोतलें पानी की बोतलें भी रखी हुई मिली । पुलिस को घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन भी मिला। जिसकी काल डिटेल निकलवाई गयी। छानबीन के बाद पुलिस ने मामले में सचिन को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया आरोपी पूर्व में भगवानपुर थाने से हत्या के मुकदमें में जेल जा चुका है। आरोपी ने बताया कि वो कुछ माह पहले ही जमानत पर रिहा हुआ है। जेल में उसके अन्य साथियों के माध्यम से उसकी जान-पहचान अर्जुन नाम के एक व्यक्ति से हुई। अर्जुन भी 2019 मे डोईवाला मे एक हत्या के मामले मे जेल गया था और एक साल पहले जमानत पर बाहर आया था। अर्जुन ने प्रोपर्टी डीलर मंजेश के साथ काम करने और उसका खर्चा उठाने की बात कही थी। आरोपी भी देहरादून मे रेपिडो का काम कर रहा था। आरोपी ने यमुनोत्री विहार फेज-2 मे एक कमरा किराये पर लिया था जहां अक्सर अर्जुन उसके साथ खाने पीने के लिए बैठता था। अर्जुन ने आरोपी को बताया कि मंजेश ने प्रॉपर्टी में अच्छा पैसा कमाया है और उसकी प्रॉपर्टी का सारा काम वह ही देखता है। मंजेश के अकाउन्ट मे 38 लाख रुपए हैं, जिसकी सारी डिटेल उसके पास है, यदि सचिन उसका साथ दे तो दोनों मंजेश को मारकर उसके सारे पैसे निकाल सकते हैं, जिसे दोनो आधा आधा बाट लेंगे. अर्जुन की बातों में आकर दोनों ने मंजेश की हत्या कर दी।

मार्निंग वाक पर निकले...एबीवीपी कार्यकर्ता विकास बिष्ट ने पुलिस को मृतकों के बारे में जानकारी दी । विकास के अनुसार मृतकों में एक वीर सिंह बिष्ट उनके ताऊ हैं। उनके अनुसार वीर सिंह सुबह छह बजे एक अन्य व्यक्ति के साथ मार्निंग वाक को निकले थे।फिलहाल एक्सीडेंट करने वाले वाहन की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए डोईवाला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली...कार्य पूरा होने के बाद दिल्ली-देहरादून यात्रा मात्र ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी। इस प्रोजेक्ट से उत्तराखण्ड की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव आने के साथ ही पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। सीएम धामी ने कहा कि रोड का निर्माण अंतिम चरण में है। जैसे ही पूरा होगा देहरादून से दिल्ली जाना सुविधाजनक हो जायेगा। ऐलिवेटेड रोग विकास में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि जो भी जरूरी काम रह गये हैं उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये गये हैं। इस मार्ग के पूरा होने से चारधाम यात्रा भी सुगम होगी।

चेसिस की टक्कर से ...मोटर साईकिल से घर वापस लौट रहा था। मार्ग में ग्राम बरखेड़ा में सामने से आ रहे अशोक लीलेंड के चेसिस चालक ने बाईक को टक्कर मार दी । जिससे बाईक सवार राहुल सिर के बल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की सूचना मिलने पर उसके परिजन भी मौके पर आ गये। राहुल को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले जाया गया। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है।

ग्रामीण को अगवा... मामला दर्ज कर लिया है। उनकी पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इस घटना से ग्राम जयनगर और आसपास के इलाके के लोगों में दहशत व्याप्त हैं। ग्रामीणों ने पुलिस से ग्राम में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने की मांग की है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

सीएम धामी ने बुक्सा समाज को दी सौगात

बुक्सा विकास भवन और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का नाम राजा जगत सिंह के नाम पर करने की घोषणा से बुक्सा समाज में हर्ष

गदरपुर(उद संवाददाता)। क्षेत्र के ग्राम गोपालनगर में स्थित राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय में रविवार को हुए बुक्सा जनजाति महोत्सव में वर्चुअल रूप से जुड़े उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा बुक्सा जनजाति समाज को दो बड़ी सगातें दी हैं। जिसमे बुक्सा समाज के धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिये बुक्सा विकास भवन का निर्माण एवं गूलरभोज में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नाम को परिवर्तित करके बुक्सा जनजाति के आराध्य राजा जगत देव सिंह के नाम पर राजा जगत देव राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान किया जाएगा। बता दें कि शिक्षा के क्षेत्र में किसी संस्थान का

प्रथम बार नाम बुक्सा जनजाति के आराध्य राजा जगत देव सिंह के नाम पर किया गया है जिसके लिए बुक्सा जनजाति के समाज मे हर्ष का वातावरण है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा की गई ऐतिहासिक घोषणाओं के लिए बुक्सा जनजाति समाज ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद व आभार प्रकट करने के साथ ही बुक्सा जनजाति के सम्पूर्ण समाज ने भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा व जनजाति आयोग के सदस्य बाबू सिंह तोमर का धन्यवाद किया है। इन दोनों सौगातों के लिए सम्पूर्ण बुक्सा जनजाति सामाज के ग्रामो में भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा व जनजाति आयोग के सदस्य बाबू सिंह तोमर को सम्मानित किया जाएगा। बता दें की बुक्सा समाज के लिये बुक्सा विकास भवन का निर्माण बहुत बड़ी सौगात है क्योंकि इस भवन की मांग विगत कई वर्षों से की जा रही थी विकास भवन के निर्माण से न सिर्फ बुक्सा समाज के धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों को मंच मिलेगा साथ ही बुक्सा समाज को एक एकजुट करने का भी कार्य करेगा।

फिर टलेंगे प्रदेश की 674 सहकारी समितियों के चुनाव,मामला हाईकोर्ट में है विचाराधीन

शासन ने नये सिरे से समय- सारिणी जारी करने की सहमति दी

देहरादून। प्रदेश की 674 सहकारी समितियों के आगामी 16 एवं 17 दिसंबर होने वाले चुनाव फिर टलेंगे। शासन ने चुनाव को लेकर सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण को नये सिरे से समय-सारिणी जारी करने की सहमति दी है। चुनाव टलने की वजह शासन स्तर से अब तक निर्वाचन नियमावली में बदलाव न हो पाने और महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण दिए जाने का मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन होना बताई गई है। प्रदेश की सहकारी समितियों में चुनाव को लेकर सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण ने चुनाव की तिथि घोषित करते हुए बताया गया था कि इस महीने दिसंबर में चुनाव होंगे। जबकि, इससे पहले नवंबर में समितियों के चुनाव प्रस्तावित थे। पहले राज्य में सहकारी समितियों के प्रतिनिधियों के चुनाव और इसके बाद जिला एवं राज्य सहकारी समितियों के अध्यक्षों व उपाध्यक्षों के चुनाव कराए जाने थे। सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण ने चुनाव की तिथि घोषित करने के साथ ही समितियों से पिछले तीन साल में किसी तरह का लेनदेन न करने वाले सदस्यों को भी मतदान का अधिकार देने के लिए नियम में छूट का शासन को प्रस्ताव भेजा था, लेकिन अब तक इस प्रस्ताव को शासन की मंजूरी नहीं मिली। वहीं, महिलाओं को सहकारी समितियों में 33 फीसदी आरक्षण का मामला भी हाईकोर्ट में विचाराधीन है। सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण के अध्यक्ष हंसा दत्त पांडे के मुताबिक, समितियों से खाद, बीज एवं अन्य किसी तरह का लेनदेन न करने वाले सदस्य भी चुनाव में मतदान कर सकें, इसके लिए नियम 12 (ख) में छूट का प्रस्ताव है। यदि छूट न मिली तो इससे 33 हजार महिलाएं एवं 78 हजार पुरुष मतदाता मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। दिलीप जावलकर, सचिव, सहकारित के अनुसार सहकारी समितियों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण वैध है या नहीं सहित कुछ अन्य मसलों पर हाईकोर्ट में मामला विचाराधीन है। इस पर सोमवार को (आज) सुनवाई है। प्राधिकरण को चुनाव के लिए नये सिरे से समय-सारिणी जारी करने की सहमति दी गई है।

स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों लोग हुए लाभान्वित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।एकल अभियान, एन एम ओ के तहत उत्तराखंड के लगभग 30 गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 1460 लाभार्थीयों ने लाभ लिया, इसी क्रम में अंचल ऊधम सिंह नगर एवं खटीमा के अंतर्गत ग्राम शिवपुर, बुक्सौरा, मकरन्दपुर, विशाल नगर, रामेश्वर पुर, सुन्दरपुर कालौनी, गंगापुर पटिया, तुर्का तिसौर, देव नगर, महेंद्र नगर में स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न हुआ।जिसे एन एम ओ के माध्यम से सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज के डाक्टर एवं एम बी बी एस के छात्र सम्पन्न किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से डाक्टर जनमेजय, डाक्टर अजय अरोड़ा, डाक्टर उपासना, डाक्टर नवीन अग्रवाल, डाक्टर योगेश्वरी, डाक्टर अजय विश्वकर्मा, डाक्टर श्रद्धांजलि, डाक्टर गरिमा, डाक्टर पुजा चौधरी,

डाक्टर जुही जोशी, डाक्टर आशुतोश पटवाल, डाक्टर दिपांकशा जोशी, डाक्टर स्पर्श, डाक्टर अंकिता, डाक्टर अनुराग चौहान डाक्टर रवि कुमार शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक स्नेह पाल सिंह , अंजुल त्यागी , बल्देव छाबड़ा ,बन्टी कालरा जी, लाल सिंह दायमा, सुरेश जोशी, उमेश अग्रवाल, विशन सिंह, संगीता जोशी, जगदीश चन्द्र पाण्डेय,गीता गडकोटी, ममता कोरंगा संजीव भटेजा, अरविन्द कन्नौजिया, अजीत सिंह, दीप सिंह, निशा भण्डारी आदि उपस्थित रहे।

उत्पीड़न की शिकायत पर पति के खिलाफ केस दर्ज

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। एक महिला ने अपने पति पर किसी दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध बनाने तथा दहेज के लिए उसका उत्पीड़न करते हुए मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए रपट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दर्ज रपट में महिला ने आरोप लगाते हुए कहा है कि नवंबर 2023 में उसका विवाह दिल्ली निवासी एक युवक के साथ हुआ। शादी के दौरान मायके से ससुराल पक्ष को हैसियत के मुताबिक गहने और नकदी इत्यादि सामान दिया। शादी के बाद जब वह दिल्ली ससुराल पहुंची तो उसका उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। शादी के बाद पता चला कि उसके पति का किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध है।जिसको लेकर अक्सर घर में रोजाना दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा होने लगा। लेकिन शादी के कुछ महीनों बाद पति व सास-ससुर दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। ससुरालियों की उत्पीड़न से तंग आकर इसकी शिकायत जब मायके वालों की तो मायके वालों ने उनको समझने की कोशिश की। लेकिन ससुराल पक्ष के लोग मानने को तैयार नहीं हुए। आरोप है कि पति आए दिन उसके साथ मारपीट करने लगा और घर से निकाल दिया। पीड़िता ने मुखानी थाना पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने पीड़िता के पति और ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। एसओ मुखानी विजय मेहता ने बताया कि महिला की तहरीर पर उसके पति, सास, ससुर के खिलाफ दहेज अधि नियम के अलावा तमाम धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिवलिंग पर खून लगाने से मचा बवाल

रूड़की। जौरासी गांव स्थित मंदिर के अंदर शिवलिंग पर खून लगा मिलने और अंदर एक समुदाय के युवक के होने की सूचना पर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। कुछ ग्रामीणों का आरोप है कि मुस्लिम युवक ने अपना हाथ काटकर शिवलिंग पर खून चढ़ाया है। वहीं पुलिस इससे इनकार कर रही है। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित जौरासी गांव में शिव मंदिर है। रविवार शाम करीब पांच बजे मंदिर में कुछ ग्रामीणों की नजर गांव के ही एक मुस्लिम युवक पर पड़ी। उसके हाथ पर पट्टी बंधी थी और खून निकल रहा था। ग्रामीणों ने शिवलिंग पर खून लगा देख युवक को पकड़ लिया। इसकी सूचना गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस बल भी पहुंचा और घटना की जानकारी ली। साथ ही मुस्लिम युवक को हिरासत में ले लिया। कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उक्त युवक ने हाथ काटकर शिवलिंग पर खून चढ़ाया है। ग्रामीणों ने युवक पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने आश्वासन दिया कि मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद पुलिस उक्त युवक को कोतवाली ले आई और पूछताछ कर रही है।

गदरपुर में गोशाला निर्माण के लिए 5.12 करोड़ स्वीकृत

गदरपुर(उद संवाददाता)। क्षेत्र में गौशाला बनाने के लिए करीब पाँच करोड़ बारह लाख पिचहत्तर हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत हुई है। बता दे की क्षेत्र में गौशाला बनाने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है जिसके लिए जमीन तो उपलब्ध हो गई थी लेकिन धनराशि नही मिल पा रही थी ।भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना के अथक प्रयासों से 5,12,75,000 रुपये की धनराशि सरकार द्वारा गोशाला निर्माण के लिये स्वीकृत कर दी गई है। जिससे सड़कों पर घूम रही गायों को आसरा मिल सकेगा। गोशाला के लिए धनराशि स्वीकृत होने पर विगत देर सायं भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना के प्रतिष्ठान पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिष्ठान वितरण कर जश्न मनाया। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष गुंजन सुखीजा ने कहा कि गौशाला का निर्माण क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि साबित होगी। बता दें कि जब से गुंजन सुखीजा भाजपा जिलाध्यक्ष बने हैं तब से जिले में एक के बाद एक विकास कार्य हो रहें हैं। सुखीजा मुख्यमंत्री के करीबी माने जाते हैं। जिसका फायदा पूरे क्षेत्र को मिल रहा है। मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना भी विकास कार्य कराने में पीछे नही हैं जब से सुरेश खुराना ने मंडल अध्यक्ष की कमान संभाली है तब से जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा के साथ मिलकर क्षेत्र के लिये एक के बाद एक विकास कार्य करवाये जा रहे हैं चाहे वह क्षेत्र का सौन्दर्यकरण हो, चाहे सड़को का निर्माण कार्य या फिर गोशाला निर्माण। गोशाला के लिए धनराशि स्वीकृत होने पर मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सांसद अजय भट्ट, केबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा एवं जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा का आभार जताया है। इस दौरान चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ सोनू विश्वास, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज सेतिया, मंडल महामंत्री भाजपा अनिल जेटली, महांमत्री अभिषेक वर्मा, विनोद बजाज, जीवन जोशी, विनोद चुघ, वकुल अरोरा, परमजीत सिंह पम्मा, अश्वनी कुमार, संतोष श्रीवास्तव, शुभम त्रिपाठी, अंकित गगनेजा, आकाश कोचर, अंकित मदान, सुभाष खुराना, संदीप कंबोज, सतीश छाबड़ा, निर्मल नारंग, रेनू बिष्ट आदि शामिल रहे।